राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 05 मई 2025 वर्ष-8,अंक-75 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इलेक्शन कमीशन के 40 एप अब एक साथ जुड़ेंगे

- वोटर्स और राजनीतिक पार्टियों को होगा बड़ा फायदा
- इलेक्शन से जुड़ी सभी सेवाएं एक ही जगह मिलेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग अब एक नया और आसान डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जिससे वोटर, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन सभी को सुविधा मिलेगी। इस नए प्लेटफॉर्म का नाम ईसीआईनेट होगा। ईसीआईनेट चुनाव आयोग के पहले से मौजूद 40 से ज्यादा मोबाइल और वेबसाइट ऐप्स को एक साथ लाएगा और उन्हें नया रूप देगा। यह एक ही जगह से चलने वाला ऐसा ऐप होगा जिसमें चुनाव आयोग की 40 से ज्यादा पुरानी मोबाइल और वेब ऐप्स को जोड़ दिया जाएगा।

ईसीआईनेट के शानदार यूजर इंटरफेस के साथ इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान होगा, क्योंकि सभी चुनावी काम एक ही जगह पर हो सकेंगे। अब लोगों को अलग-अलग ऐप डाउनलोड करने और अलग-अलग लॉगिन याद रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत मार्च

2025 में हुई थी जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में इसकी योजना बनाई थी।

ईसीआईनेट के माध्यम से उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर या स्मार्टफोन पर चुनाव से जुड़ी जरूरी जानकारी आसानी से देख सकेंगे। ईसीआईनेट के माध्यम से उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर या स्मार्टफोन पर चुनाव से जुड़ी जरूरी जानकारी आसानी से देख सकेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि जानकारी एकदम सही हो, ईसीआईनेट पर डेटा केवल अधिकृत चुनाव आयोग के अधिकारी ही डालेंगे।

संबंधित अधिकारी द्वारा डेटा डालने से यह पक्का होगा कि हितधारकों को जो जानकारी मिले वह अधिक से अधिक सही हो। हालांकि, किसी भी विवाद की स्थिति में, वैधानिक प्रपत्रों में विधिवत भरा गया प्राथमिक डेटा मान्य होगा।

जम्मू-कश्मीर में सेना की गाड़ी हादसे का शिकार

- रामबन में तीन जवानों की हो गई दर्दनाक मौत
- हाईवे पर निकलने को लेकर अलर्ट जारी हुआ था

रामबन (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बैटरी चश्मा इलाके में रविवार को सेना का एक वाहन 600 मीटर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में 3 जवानों की मौत हो गई। मृतक जवानों की पहचान अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक,

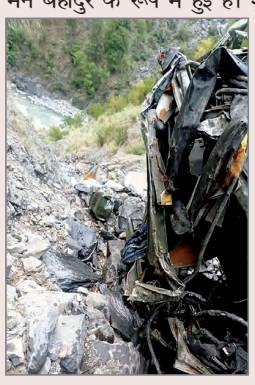

सेना का वाहन जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले का हिस्सा था। करीब साढ़े 11 बजे जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे 44 पर ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया, जिससे गाड़ी खाई में गिर गई। सेना, पुलिस, एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। शुक्रवार को रामबन में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ था। सड़क पर मडस्लाइडिंग (कीचड़) के चलते एनएच-44 को दोनों तरफ से बंद कर दिया गया था। प्रशासन ने लोगों को अलर्ट किया था कि हाईवे क्लियर होने की जानकारी मिलने के बाद ही सफर के लिए निकले। इससे पहले, 4 जनवरी को बांदीपोरा जिले में सेना का ट्रक खाई में गिरने से 4 जवानों की मौत हुई थी। 2 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ट्रक में 6 जवान ही सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। तस्वीरों में 700 फीट गहरी खाई में वाहन के क्षतिग्रस्त अवशेष दिखाई दे रहे हैं। घटनास्थल पर सैनिकों के शव, उनके सामान और कुछ कागजात बिखरे पड़े हैं।

नेवी के बाद एयरफोर्स चीफ से मिले पीएम मोदी

- पहलगाम में तनाव के बीच भारत कर रहा बड़ी प्लानिंग

पाकिस्तान के खिलाफ अब फुल ऐक्शन की है तैयारी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम मसले पर तनाव के बीच रविवार को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि इसमें वायुसेना के बड़े अधिकारी भी शामिल हैं। पाकिस्तान से खींचतान के बीच इस मीटिंग को अहम माना जा रहा है। इससे पहले, शनिवार को नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने पीएम से मुलाकात की थी। इससे पहले, शनिवार को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शनिवार को पीएम मोदी से उनके लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर मुलाकात की थी। एयर फोर्स चीफ और पीएम मोदी की यह मुलाकात कुछ दिन पहले हुई उस बैठक के बाद हुई है, जिसकी अध्यक्षता खुद प्रधानमंत्री मोदी ने की थी। उस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी शामिल थे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी उस मीटिंग में मौजूद थे। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक हुई। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। सरकार ने आतंकवाद को कुचलने के लिए भारत के राष्ट्रीय संकल्प को दोहराया है। सरकार ने कहा है कि आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों और साजिशकर्ताओं को कड़ी सजा मिलेगी। सरकार ने सशस्त्र बलों को भारत की प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्यों और समय पर निर्णय लेने के लिए पूरी तरह से ऑपरेशनल फ्रीडम दे दी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। विपक्षी दलों ने सरकार द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ की जाने वाली किसी भी कार्रवाई के लिए पूरा समर्थन दिया है। सीसीएस को जानकारी देते हुए बताया गया कि आतंकी हमले के तार सीमा पार से जुड़े हुए हैं। यह भी बताया गया कि यह हमला जम्मू और कश्मीर में सफल चुनाव होने और आर्थिक विकास की ओर बढ़ने के बाद हुआ है।

भारत ने बगलिहार डैम से रोका चिनाब का पानी

- भारी टेंशन के बीच पाकिस्तान को दिया तगड़ा झटका

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत सरकार ने सिंधु जल संधि रद्द करने का ऐलान कर दिया था। अब इस फैसले को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया गया है। एजेंसी के हवाले से खबर मिली है कि सरकार ने चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के माध्यम से चिनाब नदी का पानी रोक दिया है। अब झेलम नदी के ऊपर बने किशन गंगा बांध के माध्यम से ऐसा ही एक और उपाय करने की योजना बनाई जा रही है। जम्मू के रामबन में स्थित बगलिहार बांध और उत्तरी कश्मीर में स्थित किशन गंगा बांध इन नदियों पर भारत को पाकिस्तान से बेहतर स्थिति में रखते हैं। भारत सरकार इन बांधों के जरिए विद्युत उत्पादन करती है और इसके साथ ही यही बांध भारत को इन नदियों में पानी रोकने और छोड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं। आपको बता दें कि बगलिहार बांध भारत और पाकिस्तान के बीच में लंबे समय तक विवाद का कारण रहा है। पाकिस्तान ने इस बांध के निर्माण के समय विश्व बैंक से मध्यस्थता की मांग की थी। इसके अलावा पाकिस्तान को किशनगंगा बांध को लेकर भी खासकर झेलम की सहायक नदी नीलम पर इसके प्रभाव के कारण आपत्ति है।

दिल्ली से इजरायल जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट हुई डायवर्ट

मिसाइल अटैक के बीच अबू धाबी की तरफ घुमा दिया प्लेन

नई दिल्ली (एजंसी)। राजधानी दिल्ली से इजरायल जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को अचानक अबू धाबी की तरफ डायवर्ट करना पड़ा। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि तेल अवीव के एयरपोर्ट के पास मिसाइल अटैक हुआ था। बताया जा रहा है कि प्लेन दिल्ली वापस लौटेगा। दरअसल, फ्लाइट एआई 139 बोइंग 787 फ्लाइट अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी, तभी अचानक निर्धारित लैंडिंग से लगभग एक घंटे पहले यह घटना घटी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक विमान दिल्ली वापस लौटेगा।

फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा से संकेत मिल रहा है कि विमान के जॉर्डन के हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने के दौरान डायवर्जन का निर्णय लिया गया था। पूरा वाकया (4 मई) को हुआ है। इस घटना के देखते हुए रविवार को तेल अवीव से दिल्ली के लिए निर्धारित वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई है। एयर इंडिया ने अभी तक इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। घटना ऐसे समय में हुई है, जब यमन से प्रोजेक्टेड मिसाइल के प्रभाव के बाद तेल अवीव ने सभी उड़ानों को सस्पेंड कर दिया है।

सिख दंगों की जिम्मेदारी लेने को राहुल गांधी तैयार

- अमरीका में आयोजित कार्यक्रम में स्वीकारी पार्टी की गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस की गलतियों को स्वीकारते हुए कहा कि वे पार्टी के इतिहास में हुई हर गलती की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं, भले ही यह घटना उनके राजनीति में आने से पहले की हो। यह बयान उन्होंने वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में आयोजित एक सत्र के दौरान दिया, जब एक सिख युवक ने उनसे तीखे सवाल किए। सिख युवक ने राहुल गांधी से पूछा,आपने कहा था कि बीजेपी राज में सिखों को कड़ा पहनने और पगड़ी बांधने से रोका जा सकता है, लेकिन कांग्रेस ने खुद भी सिखों को अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी।

हर दिन खौफ में पाकिस्तान अब लगाए वॉर वाले सायरन

पीओके में बंकर और कई घरों को बनाया सैन्य चौकी

मुजफ्फराबाद (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की घटना को 10 दिन से ज्यादा हो गए हैं और दिन गुजरने के साथ ही पाकिस्तान की घबराहट बढ़ती जा रही है। भारत की सख्त चेतावनियों और ऐक्शन से घबराया पाकिस्तान अब 'वॉर मोड' में आ चुका है। सूत्रों का कहना है कि भारतीय सेना की संभावित कार्रवाई के डर से पाकिस्तान ने पीओके में बंकरों की खुदाई शुरू कर दी है। आम नागरिकों के घरों को खाली कराकर उन्हें सैन्य चौकियों में बदला जा रहा है। युवाओं को हथियारों की ट्रेनिंग दी जा रही है और खैबर पख्तूनख्वा जैसे संवेदनशील इलाकों में वॉर सायरन तक लगाए जा चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने पीओके में गुप्त बंकर तैयार किए हैं, जहां आम नागरिकों की संपत्तियों को कब्जा कर सैन्य ठिकानों में बदला जा रहा है। गिलगित-बाल्टिस्तान के युवाओं को हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। भारत ने जब से पाकिस्तान पर ऐक्शन लिया है, तब से पाकिस्तान की हवा निकल गई है।

जमीन से हवा तक पाकिस्तान की दिखावटी हलचल

पाकिस्तान एयरफोर्स एक साथ तीन बड़े युद्धाभ्यास चला रही है, जिनमें पी -16, पी -10 और पीआई-17 जैसे फाइटर जेट्स तैनात किए गए हैं। साथ ही एयर डिफेंस यूनिट और आर्टिलरी सिस्टम को भारत से सटी फॉरवर्ड लोकेशन्स पर पहुंचा दिया गया है। इसके अलावा पाकिस्तान ने राजस्थान के पास लॉन्गेवाला सेक्टर में आधुनिक रडार तैनात कर दिए हैं और खैबर पख्तूनख्वा में वॉर सायरन बजाए जा रहे हैं। ऐसा माहौल बन रहा है जैसे युद्ध बस शुरू होने ही वाला हो। भारत ने अब तक कई जवाबी कदम उठाए हैं।

योग गुरु बाबा शिवानंद का 128 साल की उम्र में निधन

वाराणसी। कहते हैं कि त्याग, तपस्या और साधना के आगे हर किसी का माथा स्वत- ही झुक जाता है। पद्मश्री बाबा शिवानंद भी त्याग और तपस्या के प्रतिमूर्ति थे। 21 मार्च 2022 को राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में शिवानंद बाबा को

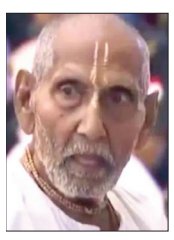

पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। तब, सफेद धोती-कुर्ता पहने 125 साल के शिवानंद बाबा आए और उन्होंने पीएम मोदी को प्रणाम किया। जिसके बाद पीएम मोदी ने भी अपनी कुर्सी से खड़े होकर शिवानंद बाबा को हाथ जोड़कर झुककर प्रणाम किया। इसके बाद शिवानंद बाबा ने तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के आगे झुककर नमस्कार किया। जिसके बाद राष्ट्रपति कोविंद ने उन्हें अपने हाथों से उठाया। उसके बाद पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बता दें कि योग गुरु बाबा शिवानंद का 128 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने वाराणसी के बीएचयू अस्पताल में शनिवार रात 8.45 बजे आखिरी सांस ली। तबीयत बिगड़ने के बाद पिछले तीन दिन से अस्पताल में भर्ती थे। उनकी मौत के बाद बीएचयू के बाहर चाहने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी।

अविमुक्तेश्वरानंद ने की राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने की घोषणा

शंकराचार्य ने मनु स्मृति पर दिए बयान को लेकर तीन महीने का दिया था समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने की घोषणा की है। शंकराचार्य ने कहा कि आज से राहुल गांधी को हिंदू धर्म का न माना जाए। बता दें राहुल गांधी ने संसद में मनुस्मृति को लेकर बयान दिया था। इस पर शंकराचार्य ने राहुल गांधी से स्पष्टीकरण मांगा था लेकिन तीन महीने बीत जाने के बाद भी राहुल गांधी ने इसका जवाब नहीं दिया।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में हिंदू धर्म का अपमान किया। राहुल गांधी ने कहा था कि आपकी मनुस्मृति को मैं नहीं मानता। मैं संविधान को मानता हूं। जबकि वास्तविकता यह है कि हर हिंदू और सनातन धर्मी मनुस्मृति से संबंधित है।

शंकराचार्य ने कहा कि उन्हें रिमाइंडर भी भेजा गया। अब तीन महीने बीत गए हैं। बहुत से लोग यह कह रहे हैं कि उन्हें हिंदू धर्म से क्या बहिष्कृत करेंगे, वह तो हिंदू हैं ही नहीं। तीन महीने की अवधि में उन्होंने अपनी ओर से इस बारे में कुछ भी नहीं किया। तब हम लोगों ने यह निष्कर्ष निकाला कि राहुल गांधी मनुस्मृति में श्रद्धा नहीं रखते हैं। वह मनुस्मृति के बारे में संसद में खड़े होकर गलतबयानी करते हैं। जबकि मनुस्मृति में बलात्कारी को संरक्षित करने की बात नहीं लिखी है।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि तय हो गया है कि राहुल गांधी हिंदू धर्म के विरुद्ध काम कर हैं। जनता के सामने यह स्पष्ट किया जाता है कि संभवत- वह हिंदू नहीं हैं। इसलिए आज से उन्हें हिंदू न माना जाए। हिंदू पुरोहित, पंडित हिंदू विधि से उनकी पूजा न कराएं। हिंदू मंदिरों में उनके प्रवेश को प्रतिबंधित किया जाए। सभी हिंदू सनातनी धार्मिक कार्यों से उनको वंचित किया जाए। शंकराचार्य ने कहा कि तीन महीने का समय बीतने पर भी राहुल गांधी ने न तो क्षमा मांगी और न ही कोई स्पष्टीकरण दिया, इसलिए राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने की सार्वजनिक घोषणा करते हैं और उन्हें हिन्दू न मानने की घोषणा करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मध्य वर्ग के विरोधाभास और शिक्षा का बाजारीकरण

हमारे स्कूल में हम धाराप्रवाह अंग्रेजी में बात नहीं करते थे, हमारे पास वह सब नहीं था जिसे आज वाली पीढ़ी एक जरूरी 'सांस्कृतिक पूंजी' मानती है - वे प्रतीक और चाल-चलन, जो हमें हर उस चीज़ से अलग करे, जो 'सामान्य' है। और फिर भी, मुझे यह कहने में जरा संकोच नहीं है कि हमें काफी हद तक बढ़िया शिक्षकों की संगति मिली, और हमारा शैक्षणिक कौशल काफी संतोषजनक रहा। इसके अलावा, इस सरकारी स्कूल में, मैंने विविधता और बहुलता के परमानंद का अनुभव किया।

अविजित पाठक

शिक्षा की दुकानें अपने पैकेज्ड यानी कमोडिफ़ाइड शिक्षा की कीमत कम करें। हालांकि, सरकार से यह मांग करना कि जो टैक्स हम भरते हैं, उसका सही इस्तेमाल किया जाए ताकि कम से कम किफ़ायती, समावेशी और अच्छी गुणवत्ता वाले सरकारी स्कूल, सरकारी विश्वविद्यालय और सरकारी अस्पताल मिल सकें, इस हक के वास्ते सड़क पर उतरना हमें मंजूर नहीं।

जब हाल ही में मैंने राष्ट्रीय राजधानी में फीस में अनाप-शनाप वृद्धि-ट्यूशन फीस से लेकर वातानुकूलित कक्षाओं के लिए अतिरिक्त शुल्क तक के खिलाफ गुस्साए अभिभावकों की खबरें देखीं तो मेरे मन ने उन विरोधाभासों पर विचार करना शुरू कर दिया, जो तथाकथित तरक्कीपसंद एवं महत्वाकांक्षी वर्ग के जीवन-ढंग को चरित्रार्थ करते हैं। हां, मैं समझ सकता हूं कि कोई फैंसी निजी स्कूल, जहां वे अपने बच्चों को शिक्षा के लिए भेजते हैं, यदि मनमाने ढंग से फीस बढ़ा दे, उनकी जरा सुनवाई न करे और उन्हें महंगी वर्दी, नोटबुक और गैर-एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें खरीदने के लिए मजबूर करे, तो गुस्सा होने के उनके कारण वाजिब हैं। मेरी उस अभिभावक से पूरी सहानुभूति है, जब वह कहता है कि एक बंदे की कमाई पर चलने वाले परिवार के लिए 50,000 रुपये सालाना प्रति बच्चा का अतिरिक्त चुकाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

फिर भी इन गुस्साए अभिभावकों से एक सवाल पूछे बिना मुझसे रहा नहीं जा रहा- क्या उन्हें नहीं पता था कि बच्चों को इन आलीशान निजी स्कूलों में भेजने का उनका फैसला शिक्षा के बाजारीकरण और वस्तुकरण को अपनी सहमति देने जैसा था? और क्या यह सच नहीं है कि हममें से कई लोग, जो इस वर्ग से हैं, क्या कभी उन्होंने कभी सरकार पर यह दबाव डालने की जहमत उठाई है कि सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल हमारे बच्चों को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए सुसज्जित क्यों नहीं हैं? वास्तव में, इसकी बजाय जब मैं हर सुबह डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, सिविल सेवक, प्रोफेसर और अन्य पेशेवरों को अपने बच्चों के साथ वातानुकूलित स्कूल बसों का इंतज़ार करते हुए देखता हूं और ठीक इसी वक्त फटे-मटमैले कपड़ों में कुपोषित बच्चे पास के नगरपालिका स्कूलों की ओर जा रहे होते हैं, मैं एक अन्य तल्ख हकीकत देख रहा होता हूं, जो अत्यधिक असमान व विषमता भरे इस देश की विशेषता है। शायद ही कभी ये दोनों दुनिया आपस में मिलती हों। वास्तव में, हम यह विलय करना ही नहीं चाहते थे। एक सुचालित सार्वजनिक क्षेत्र के लिए हमने मिलकर लड़ाई लड़ी ही नहीं। इसकी बजाय, हमने खुद को हर उस चीज़ से अलग करना शुरू कर दिया जो 'सार्वजनिक' है। सार्वजनिक परिवहन की बजाय अपने निजी वाहन या सरकारी अस्पतालों की बजाय निजी नर्सिंग होम तक - हमने खुद का गरीबों, वंचितों और निम्न मध्यम वर्ग के संघर्षों से किनारा कर लिया।

इसका नतीजा यह है कि सरकार भी सामाजिक रूप से सार्थक सभी कल्याणकारी परंपराओं से दूर होती जा रही है। इसलिए, कुछ हद तक यह पाखंड लगता है, जब हम इस पर रोष करने लगें कि नई दिल्ली के एक जाने-माने निजी स्कूल की वार्षिक ट्यूशन फीस (पंजीकरण, विकास, परीक्षा शुल्क और परिवहन जैसे अतिरिक्त शुल्कों के अलावा) 2 लाख रुपये है। यह सोच कुछ वैसी ही है कि यदि आप और मैं गुहार करें और अपनी वित्तीय कठिनाइयों की कहानियां बताएंगे तो कोई फैंसी कॉर्पोरेट अस्पताल पसीज कर अपना शुल्क घटा देगा!

यह वास्तव में चिंता का विषय है कि हमारे सार्वजनिक स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय तेजी से कम हो रहे हैं, और निजी उद्यम कुकुरमुत्ते की भांति तेजी से उग रहे हैं। संभवत:, मेरी पीढ़ी कुछ हद तक भाग्यशाली थी। जी हां, मैं पश्चिम बंगाल के एक बांग्ला-माध्यम सरकारी विद्यालय में पढ़ा हूं। हमारे स्कूल में हम धाराप्रवाह अंग्रेजी में बात नहीं करते थे, हमारे पास वह सब नहीं था जिसे आज वाली पीढ़ी एक जरूरी 'सांस्कृतिक पूंजी' मानती है - वे प्रतीक और चाल-चलन, जो हमें हर उस चीज़ से अलग करे, जो 'सामान्य' है। और फिर भी, मुझे यह कहने में जरा संकोच नहीं है कि हमें काफी हद तक बढ़िया शिक्षकों की संगति मिली, और हमारा शैक्षणिक कौशल काफी संतोषजनक रहा। इसके अलावा, इस सरकारी स्कूल में, मैंने विविधता और बहुलता के परमानंद का अनुभव किया। मेरे दोस्त अलग-अलग जातियों, वर्गों और धर्मों से थे। अमीर और गरीब के बीच कोई भेदभाव नहीं था। वास्तव में, जो लोग निजी स्कूलों के सामने फीस वृद्धि का विरोध कर रहे हैं, उन्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि जब मैंने 1974 में अपनी बोर्ड परीक्षा दी थी, तब ट्यूशन फीस मात्र 5 रुपये प्रति माह थी!

संभवत:, 'सामान्य स्कूलों' वाली महान दृष्टि जो कोठारी शिक्षा आयोग, 1966 की सिफारिशों की विशेषता थी, तब तक भी जीवित थी। भारत गरीब था लेकिन तब भी, 'दक्षता' और 'विकास' के नवउदारवादी सिद्धांत में छिपा बाजार-कट्टरवाद का तर्क इतने स्पष्ट रूप से उघड़ा नहीं था। सरकारी स्कूलों से लेकर समावेशी और किफायती सार्वजनिक विश्वविद्यालयों तक - हमारी यह यात्रा, भले ही परिपूर्ण न हो, लेकिन इसने हमें सिखाया कि किस प्रकार समाजवादी व कल्याणकारी नीतियों के बिना, भारत असमानता और शोषण के अभिशाप को दूर करने, एक लोकतांत्रिक और समतावादी राष्ट्र की ओर नहीं बढ़ सकता।

हालांकि, हमारे समय में भी, नवउदारवादी बाजार कट्टरवाद की चमक-दमक ने हमउम्रों को भी बहकाया है। कोई आश्चर्य नहीं कि हम सरकार से कुछ भी ठोस मांग नहीं करते हैं। इसकी बजाय, हमने यह स्वीकार लिया है कि लगभग हर वह चीज- चाहे शिक्षा हो या स्वास्थ्य, यहां तक कि शुद्ध हवा भी- एक वस्तु भर है और अगर आपके और मेरे पास पैसा है, तो हम इसे खरीद सकते हैं। 'सार्वजनिक मुद्दों के निजी समाधानों' में यह नवउदारवादी विश्वास इतना गहरा पैठ चुका है कि हम सरकार से कुछ भी ठोस मांगना भूल गए हैं। हमें अपने विरोधाभासों को स्वीकार करना होगा। हम चाहते हैं कि ये शिक्षा की दुकानें अपने पैकेज्ड यानी कमोडिफ़ाइड शिक्षा की कीमत कम करें। हालांकि, सरकार से यह मांग करना कि जो टैक्स हम भरते हैं, उसका सही इस्तेमाल किया जाए ताकि कम से कम

किफ़ायती, समावेशी और अच्छी गुणवत्ता वाले सरकारी स्कूल, सरकारी विश्वविद्यालय और सरकारी अस्पताल मिल सकें, इस हक के वास्ते सड़क पर उतरना हमें मंजूर नहीं। साझा सार्वजनिक चिंताओं के प्रति हमारी इस उदासीनता ने ही ऐसी स्थिति पैदा की है जिसमें हम तमाम सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की कम होती संख्या देख रहे हैं। उदाहरण के लिए, मेरे अपने स्कूल को ही लें, जिसने कभी मुझे मंत्रमुग्ध कर रखा था। आज जब मैं इस सरकारी स्कूल में जाता हूं, तो मैं हर जगह पसरा पतन देखता हूं- खाली पड़ी कक्षाएं, कम नामांकन और हतोत्साहित शिक्षक। दूसरी ओर, मैं मध्यवर्ग के लोगों की फैंसी निजी स्कूलों और ब्रांडेड कोचिंग सेंटरों के प्रति आसक्ति देखता हूं। संदेश स्पष्ट है - शिक्षा आपका अधिकार नहीं है, यह बाजार में एक वस्तु भर है, जो आपको खरीदनी पड़ रही है और अगर आपके पास आवश्यक पैसा नहीं है, तो इसे भूल जाएं! क्या हम जैसे लोग इन विरोधाभासों से पार पा सकेंगे, सड़क पर आकर शिक्षा के बदसूरत वस्तुकरण का विरोध कर पाएंगे और सरकार पर किफायती, समावेशी और अच्छी गुणवत्ता वाले सार्वजनिक स्कूल और विश्वविद्यालयों को बढ़ावा देने के लिए दबाव डाल सकते हैं?

लेखक समाजशास्त्री हैं।

संपादकीय

गुणवत्ता की शिक्षा

निस्संदेह, सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन-फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान स्कूल फीस विनियमन अधिनियम, 2016 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। जिसमें शिक्षा में मुनाफाखोरी रोकने के राज्य के अधिकार की पुष्टि की गई है। निस्संदेह, ऐसी ही स्थितियों में दिल्ली में प्रभावित अभिभावकों के विरोध प्रदर्शनों ने दिल्ली की भाजपा सरकार को एक नियामक विधेयक लाने के लिये बाध्य किया। उल्लेखनीय है कि इस कानून में उन स्पष्ट प्रवर्तन प्रावधानों को शामिल करने की कोशिश की गई है, जिनके जरिये शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों के बीच विवादों को कम किया जा सके।

दूसरों के बारे में देखने से क्या फायदा

(लेखक- संजय गोस्वामी)

अक्सर आजकल लोगों को दूसरे के बारे में ज्यादा सोचते हैं उसने ऐ घर ले लिया उसके पास सबकुछ है मेरे पास कुछ नहीं और अपनी चादर से अधिक पैर फैलाते हैं जिससे उसे आर्थिक संकट पैदा होती है उसे क्या मिला जो मिला वो उसके कर्म और भाग्य के कारण मिला जिससे आपको ना मिलने पर कुंठा घर कर जाती है दूसरों को नौकरी मिला अच्छी बात है मेहनत की और मिला लेकिन आप हमेशा उस भगवान राम को ध्यान कीजिये आप दूसरे के घर में ताकना छोड़ कर सच्चाई को जानने की कोशिश करेंगे ऐ संसार मिथ्या है भ्रम में फंसा है आप उससे बाहर निकल कर ईश्वर का ध्यान करें कुछ भी नहीं तो शांति अवश्य मिलेगी इंसान को बनाया ईश्वर ने ज्ञान भी दिया लेकिन ज्ञान को एक जगह संचित नहीं करने से दिमाग़ भटकने लगता है और वो अपने से तुलना कर और भी निराश या अधिक होने पर खुशी में रहता है अब आप सतर्क हो जाएं क्योंकि आपके पास जो समय मिला है वो बहुत ही कम है जिंदगी एक नाटक की तरह जिसमें सब अपना रोल प्ले करते हैं लेकिन यदि क़ोई अच्छा रोल कर रहा हो तो उसके बारे में सोच कर डर से अपना रोल भूल जायेंगे और मंच पर आप खुद मज़ाक के पात्र बन जायेंगे आप ईश्वर पर ध्यान कीजिये भगवान श्री राम पर ध्यान करें ध्यान भटक रहा है तो कुछ समय के लिए बेकार की बातों को सोचना छोड़ दीजिये मुझे क्या करना है वो नेक और पवित्र होना चाहिए विचार सही होगा तो तनाव नहीं होगा सुख और दु:ख जीवन में आते रहते हैं जीवन बहुत मुश्किल से मिला है और दोबारा आसानी से नहीं मिलेगा अत: बची खुची जिंदगी को खुशी से जियें लोग क्या कर रहें हैँ क्या सोचेंगे इसपर ध्यान देने से आपकी परेशानी और ज्यादा बढ़ेगी अत: मन को शांत कर एकाग्र होने की कोशिश करें हमेशा अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दे क्योंकि अगर आपका स्वास्थ्य ही ठीक नहीं रहेगा तो आप दूसरे पर निर्भर करेंगे और मैं बता रहा हूँ उस समय झेलाना आपको पड़ेगा जो कष्टदाई होगा इस जगत में जब सब एक दिन नस्ट होने वाला है तो क्यों न जो सत्य है उसपर ध्यान दें इसलिए प्रभु राम का ध्यान कीजिये और खुश रहें क्योंकि अंत में उन्ही का नाम सत्य होता है जो सभी बंधनों से मुक्त और सदा आपको गलत चीजों से बचाता है संस्कार अच्छा रहेगा तो सब कुछ मिलेगा क़ोई बहुत बड़ा आदमी क्यों न हो संस्कार ठीक नहीं है तो सब बेकार मान लीजिये बड़ा आदमी है लेकिन रोज शराब की लत में डूबा है उसके दिमाग़ में यही चल रहा है कौन सा विस्की, स्कॉच, वाइन, बियर ठीक है और कितना दाम है वो दूसरों पर क्या ध्यान देगा अत: उसे शराब से प्यार है आपसे नहीं और ऐसे आदमी नशे की हालत में कुछ भी बोल सकता है जिससे आपकी प्रतिष्ठा को केवल घर तक ही नहीं मोहल्ले में सुनाएगा जिससे आपकी भारी बदनामी होगी रोज मार पिट कर रोड पर पड़ा रहेगा बताएँगे आपकी और परिवार की क्या इज्जत रहेगी सिर्फ पैसा ही सबकुछ नहीं हैं आप अपनी आय से कितना बचा लेते हैं यही आखिर आपको अंत में काम आएगा ख़र्ज करना बहुत आसान है बचाना मुश्किल जरूर है लेकिन यही आपके बुरे वक़्त में काम आएगा सीखना है तो भगवान श्री राम से सीखें.राम को वीरता, सही काम करने और एक आदर्श पुत्र और पति होने के लिए जाना जाता है ।

इसके अलावा, वह बहुत मर्यादा का पालन करना और असत्य से नहीं डरने का साहस था इसलिए वो महान वीर थे, जैसा कि सीता के पिता द्वारा शिव के धनुष को मोड़ने की चुनौती से देखा जा सकता है। वह इसे तोड़ सकते हैं।

भगवान राम विष्णु के अवतार हैं। हिंदू धर्म के कुछ संप्रदायों, जैसे वैष्णव धर्म में, विष्णु सर्वोच्च देवता हैं और उनके सभी अवतारों की पूजा की जाती है।स्वामी विवेकानंद भगवान श्री राम के ध्यान में ऐसा डूबे की उन्हें ईश्वर का साक्षात् रूप दिखा स्वामी विवेकानंद ने उन्हें ईश्वर के रूप में माना है और विभिन्न अवसरों पर अपने व्याख्यानों में श्रीराम कथा के पात्रों विशेषकर श्रीराम, माता सीता और श्रीहनुमान आदि के चरित्र का बखान करते हुए मुक्त कंठ से उनकी प्रशंसा की। 2 सितंबर 1897 को मद्रास (अब के चेन्नई) के विक्टोरिया हॉल में उन्होंने कहा था-मैं बस राम के पुल के निर्माण में उस गिलहरी की तरह बनना चाहता हूँ, जो पुल पर अपनी थोड़ी सी रेत-धूल डालकर काफी मजबूत थी।

भगवान श्री उनमें अलौकिकता एवं धीरोदत्त नायक की विशेषताएं राम में भी वे सामान्य मनुष्यो की तरह जीवन जीते है। सामान्य मनुष्यो के सामने एक आदर्श प्रस्थापित करने के लिए प्रभु जीवन जीने की राह दिखाते है। प्रभु ने ब्रह्म स्वरूप होकर भी कहीं पर भी अपनी शक्ति का प्रचलन नहीं किया। प्रभु के लिए तो हर समस्या का समाधान पल भर में मिलता है किंतु प्रभु को सामान्य मनुष्य की तरह रहने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रभु ने सर्वज्ञात होकर भी अज्ञात बनकर गुरु वशिष्ठ से ब्रह्मज्ञान प्राप्त किया तथा विश्वामित्र द्वारा भी मंत्रसिद्धियाँ प्राप्त की। पंचवटी में वे सीता की सुवर्णमृग की चमड़ी से बनी कंचुकी पहनने की चाँह सामान्य मनुष्यो की तरह पूरी करने के लिए मृग के पीछे दौड़ते है। रावण द्वारा सीताहरण होने पर वे सीता की खोज करते समय सामान्य मनुष्य की तरह विलाप करते है। ऐसा अनेक प्रसंगो मे श्रीराम के अलौकिक होते हुए भी उनके लौकिक रुप के दर्शन होते हैं.राम को भगवान विष्णु के सातवें अवतार के रूप में जाना जाता है और साथ ही रामायण में वर्णित उनके कई वीरतापूर्ण कारनामों के लिए भी जाना जाता है। हिंदू राम की निष्ठा, सदाचार, दयालुता, विनम्रता और वीरतापूर्ण कहानियों की सराहना करते हैं।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन- मनन)

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है। कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

विचार मंथन

चीन और पाकिस्तान के बीच गुप्त रक्षा संधि?

(लेखक- सनत जैन)

बुल्गारिया की रक्षा वेबसाइट मिल्ट्री.कॉम की ताजा रिपोर्ट ने भारत की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और पाकिस्तान के बीच एक गुप्त समझौते पर बातचीत चल रही है। इस समझौते के तहत चीन, पाकिस्तान को रूस निर्मित एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की तकनीकी जानकारी देगा। यह वही एस-400 प्रणाली है। जिसे भारत ने रूस से 5.43 अरब डॉलर में खरीदा था।

भारत ने इस तकनीकी से निर्मित विमान एवं सुरक्षा उपकरण चीन तथा पाकिस्तान की सीमा सुरक्षा एवं चुनौतियों से निपटने के लिए तैनात किया है। चीन को भी रूस नेएस-400 एयर डिफेंस दिया है। अगर यह जानकारी चीन द्वारा पाकिस्तान को लीक होती है। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान की वायु सेना मजबूत हो जाएगी। भारतीय वायु सेना का सुरक्षा कवच कमजोर हो जायेगा। पाकिस्तान बरावरी के मुकाबले में आकर भारत के सामने खड़ा हो जाएगा। चीन पहले से स-400 का उपयोग कर रहा है। चीन और भारत एस 400 की बेहतरी और कमजोरियों से भली-भांति परिचित हैं।

यदि चीन ने पाकिस्तान को इसकी रडार फ्रीक्वेंसी, ब्लाइंड स्पॉट और जामिंग तकनीक की जानकारी दे दी, तो भारत के सैन्य मिशनों और रणनीतिक संतुलन के लिए भारत के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। यह मुद्दा केवल सैन्य नहीं, बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक रूप से भारत के लिए कई चुनौतियों को खड़ा करेगा। भारत रूस का परंपरागत सहयोगी रहा है। वर्तमान स्थिति में रुस, अमेरिका चीन और पश्चिमी देशों की ओर झुक रहा है। वर्तमान में चीन का झुकाव भी पाकिस्तान की ओर बढ़ा है।

भारत की सीमा चीन और पाकिस्तान से लगी हुई है। ऐसी स्थिति में चीन संतुलन बनाए रखने के लिए पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मजबूत बनाने का जो काम कर रहा है। वह भारतीय हितों को बुरी तरह से प्रभावित करने वाला है। रूस ने एस 400 को लेकर भारत के साथ किये गये समझौते की अनदेखी की, तो भारत की रक्षा नीति को गहरा आघात लगेगा। वैश्विक हथियार नीति के 'एंड यूजर एग्रीमेंट' पर सवाल खड़े होंगे। वर्तमान स्थिति में जिस तरह की हालत देखने को मिल रही है। उसमें एग्रीमेंट का कोई बहुत ज्यादा महत्व नहीं रहा। सारी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपना वजूद खो चुकी हैं। भारत सरकार को इस रिपोर्ट की गंभीरता को समझना होगा। चीन पाकिस्तान के साथ रक्षा और एस 400 को लेकर यदि कोई समझौता करता है।ऐसी स्थिति में भारत को रूस से औपचारिक आपत्ति और कूटनीतिक दबाव बनाकर एस-400 की गोपनीयता सुनिश्चित करने का दबाव बनाना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो भारत के अरबों डॉलर खर्च करके जो सैन्य उपकरण खरीदे है। वह सुरक्षा व्यवस्था बेमानी साबित हो सकती है। रक्षा मामलों में चीन से भारत बहुत पीछे हैं यदि पाकिस्तान जैसे देश चीन को सहायता से रक्षा मामलों में हमारी बराबरी में आकर खड़े हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में भारत को जो चुनौतियां मिलेगी, उनकी कल्पना कर पाना आज की स्थिति में संभव नहीं है। भारत के विदेश मंत्री पहले ही कह चुके हैं।चीन आर्थिक और सैन्य क्षेत्र में भारत से बहुत आगे है। हम उसका मुकाबला नहीं कर सकते हैं। यदि चीन गुप्त रूप से पाकिस्तान की मदद कर रहा है। ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा परेशानी भारत को होगी। भारत के मुकाबले चीन अपने आप को बहुत समर्थ बनाना चाहता है। वैश्विक व्यापार तथा सैन्य शक्ति में वह दुनिया के देशों में सबसे अग्रणी रहे। इसके लिए चीन की प्रतिस्पर्धा भारत के साथ हमेशा बनी रहेगी। चीन दुनिया के साम्राज्य का प्रभाव अपने वश में रखना चाहता है। भारत भी दुनिया का विश्व गुरु बनना चाहता है। चीन पीठ के पीछे से वार करने और अपनी विस्तार नीति के लिए पहचाना जाता है। ऐसी स्थिति में भारत को बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। जिस तरह की स्थिति वर्तमान में देखने को मिल रही है, उससे भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। भारत सरकार को बहुत गंभीरता के सात चिंतन मनन करते हुए वर्तमान स्थिति में अपने आप को चुनोतियों से बचाते हुए आगे बढ़ाने के मार्ग को खोजना होगा। जिस तरह 1962 में हिंदी चीनी भाई-भाई के रूप में चीन ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और भारत के साथ विश्वासघात किया था। वही हालात अब एक बार फिर देखने को मिल रहे हैं। इसलिए भारत को इतिहास से भी सबक लेने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओरेकल फाइनेंशियल 1 शेयर पर 265 रुपये का देगी डिविडेंड

मुंबई। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड ने अपने निवेशकों को डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी ने तय किया है कि एक शेयर पर 265 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा, जिसकी समयसीमा भी तय कर दी गई है। ओरेकल के डिविडेंड के साथ कंपनी की हालत भी स्थिर है, क्योंकि इस समय उसके शेयरों की कीमतें एक महीने में 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई हैं। हालांकि, 2025 में इसके शेयरों में 31 प्रतिशत की डिप्रेशन देखने को मिली थी, लेकिन इसे पिछले साल का उछाल देखकर फिर से उत्सुकता बन सकती है। ओरेकल के शेयरों में पिछले 5 साल में 271 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि बाजार के मुकाबले काफी तेजी है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 72.59 प्रतिशत है, जिसमें वे अपनी हिस्सेदारी में कमी कर रहे हैं। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज के निवेशकों के लिए यह एक फायदेमंद घोषणा है, जिसे वे ध्यान से निहार सकते हैं और डिविडेंड योजना का लाभ उठा सकते हैं।

डिफेंस कंपनी करेगी आईडीएल एक्सप्लो सिव्स का अधिग्रहण

सोमवार को फोकस में रहेंगे शेयर, भाव 120 रुपये से कम

मुंबई। देश के डिफेंस सेक्टर में एक बड़ी और महत्वपूर्ण घटना सामने आई जिससे अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर सोमवार को तेजी से उछलेंगे। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की सब्सिडियरी अपोलो डिफेंस इंडस्ट्रीज ने आईडीएल एक्स्प्लो सिव्स को खरीदने का फैसला किया है और इसके लिए 107 करोड़ रुपये का खर्च करेगी। एक विशेष बैच के अनुरोध के बाद, 2 मई को यह डील का ऐलान किया गया है। प्रक्रिया के पूरा होने में 2 महीने का समय लग सकता है। इस डील के माध्यम से अपोलो माइक्रो सिस्टम्स ने उत्पादन क्षमता में वृद्धि की उम्मीद दिखाई और घरेलू डिमांड के साथ एक बड़ी डील की घोषणा की। यह अधिग्रहण से अपोलो ग्रुप की डिफेंस सेक्टर में मजबूती और स्थिति को बढ़ावा मिलेगा।

चीन की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के टैरिफ का पड़ा असर

उत्पादन और तांबा भंडार घटा

नई दिल्ली। चीन की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के टैरिफ का पड़ा असर दिखने लगा है। वर्षों से जारी व्यापार युद्ध के बीच पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ ने चीन की औद्योगिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। चीन की औद्योगिक सेहत को मापने वाले पीएमआई अप्रैल 2025 में 49 पर आ गया है, जो मार्च में 50.5 था। यह संकेत देता है कि अमेरिकी टैरिफ चीन की अर्थव्यवस्था पर धारा है। चीन के तांबे के भंडार की कमी और नए संभावित टैरिफ के भय से उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का तांबा जून तक खत्म हो सकता है। चीन ने किसी अमेरिकी उत्पादों को टैरिफ से मुक्त करने की योजना बनाई है, जिसमें दवाइयां, सेमीकंडक्टर चिप्स और एयरक्राफ्ट इंजन शामिल हैं। अर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 3.5त्न तक सिमट सकती है, जो पिछले वर्षों की तुलना में बेहद कम है। उद्योगों में अन्याय से लड़ने के लिए चीन ने सख्त कदम उठाने की योजना बनाई है।

जनरल स्टोर्स की दुकानों पर मिलेगी जरूरी दवाईयां

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जनरल स्टोर से दवाइयों की बिक्री को जल्द ही मंजूरी दे सकती है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन के ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने,कमेटी से जो अनुशंसा प्राप्त हुई थी, उसे मान लिया है। कमेटी की अनुशंसा के अनुसार बिना लाइसेंस के भी अब जनरल स्टोर्स के माध्यम से ओटीसी के तहत आने वाले दवाओं की बिक्री जनरल स्टोर्स के माध्यम से हो सकेगी। इसमें फार्मासिस्ट की जरूरत नहीं होगी। सरकार के इस फैसले का विरोध ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट द्वारा किया जा रहा है। ऑर्गेनाइजेशन का कहना है, यदि सरकार ने यह निर्णय लिया,तो देश के 12 लाख केमिस्ट निर्णय के खिलाफ देशभर में आंदोलन करेंगे।

हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में अचानक दर्ज की गई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली।

अप्रैल 2025 में हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में अचानक बड़ी गिरावट देखी गई। कंपनी ने अप्रैल 2025 में महज 3,05,406 यूनिट मोटरसाइकिल की बिक्री की, जबकि एक साल पहले यानी अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 5,33,585 यूनिट था।

इस दौरान सालाना आधार पर हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में 42.76प्रतिशत की गिरावट आई है। मासिक आधार पर भी कंपनी की बिक्री में 44.43प्रतिशत की गिरावट आई है। हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में इस गिरावट का मुख्य कारण मोटरसाइकिल और स्कूटर दोनों श्रेणियों में बिक्री में आई कमी है।

अप्रैल 2025 में कंपनी ने कुल 2,86,089 यूनिट मोटरसाइकिल की बिक्री की, जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा 4,96,542 यूनिट था, जो कि 42.38प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इस दौरान कंपनी की कुल बिक्री में मोटरसाइकिल का हिस्सा 93.67प्रतिशत रहा। वहीं, स्कूटर की बिक्री में भी भारी गिरावट आई है। बीते महीने, हीरो ने केवल 19,317 यूनिट स्कूटर बेचे, जबकि अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 37,043 यूनिट था, जो कि 47.79प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसके अलावा, कंपनी ने 16,882 यूनिट टू-व्हीलर का एक्सपोर्ट भी किया, लेकिन इस दौरान एक्सपोर्ट में सालाना आधार पर 16.79 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

हीरो मोटोकॉर्प की यह गिरावट आने वाले महीनों में कंपनी की बिक्री रणनीतियों पर प्रभाव डाल सकती है।

रिजर्व बैंक रुपये में व्यापार की सुविधा देने वाले बैंकों की सूची सार्वजनिक करेः आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय निर्यात संगठनों के लिए एक नया द्वार खोलने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से महासंघ फियो ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके माध्यम से एसआरवीए की पेशकश करने वाले बैंकों के बारे में जानकारी को साझा करने का आग्रह किया गया है। इस नई प्रणाली के माध्यम से व्यापारिक क्रियाकलापों को सरल बनाने और विदेशी मुद्रा में बचत करने का मामूला बदलाव संभव है। फियो के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने इस नई पहल के महत्व को बताते हुए कहा कि जागरूकता की कमी के कारण इस प्रणाली का इस्तेमाल अभी सीमित है। उन्होंने केंद्रीय बैंक को इसे सार्वजनिक करने की सलाह भी दी। इसके साथ ही, उन्होंने बैंकों द्वारा ऋण प्रोसेस में आवश्यक सुधार की भी मांग की। इस पहल के बाद यह स्पष्ट है कि निर्यातकों के लिए उधार लेना और द्विपक्षीय व्यापार में भाग लेना अब सरल हो सकता है। आरबीआई द्वारा देश में काम करने वाले बैंकों को इस प्रक्रिया में सहायता प्रदान करने के प्रयासों का स्वागत है। यह सहूलियत और रफ्तार प्रदान कर सकता है, जो भारतीय निर्यातकों और आयातकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वित्त वर्ष 2025 में एसबीआई का परिचालन लाभ 1.10 लाख करोड़ के पार

सालाना आधार पर परिचालन लाभ 8.83 प्रतिशत बढ़कर 31,286 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 में चौथी तिमाही में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने परिणामों को घोषित करते हुए देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में अच्छे नतीजे प्रस्तुत किए हैं। सालाना आधार पर परिचालन लाभ में 8.83 प्रतिशत बढ़ गया और यह 31,286 करोड़ रुपए रहा। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुनाफा में 16.08 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई और इसने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त किया। एसबीआई ने वित्तीय परिणामों में वृद्धि की जानकारी शनिवार को दी, जिसमें बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बड़े अंकों में उत्तरदायित्व का लक्ष्य पार करने के संकल्प का व्यक्त किया। चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीएटी) में भी वृद्धि हुई और यह 20,698 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा स्लिपेज अनुपात में भी सुधार हुआ है, जिससे बैंक के अनुपात में सुधार की दिशा में कदम बढ़ा है। एसबीआई के निदेशक मंडल ने बैंक के हिस्सेदारों के लिए अच्छे खबर दी है, जिसमें प्रति शेयर 15.9 रुपए का लाभांश घोषित किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बैंक का आरओए और आरओई क्रमशः 1.10 प्रतिशत और 19.87 प्रतिशत रहा। इसके अलावा बैंक के एसएमई एडवांस और एग्री एडवांस में भी वृद्धि हुई है, जिससे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्लिपेज अनुपात में सुधार दर्शाया गया है। बैंक ने डिजिटल रूप से अधिग्रहित होने की भी बात की है, जिसमें वैकल्पिक चैनलों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से सात कंपनियों का मार्केट कैप 2.31 लाख करोड़ बढ़ा

रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में रही

मुंबई।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2.31 लाख करोड़ रुपये (2,31,177.3 करोड़ रुपये) की बढ़ोतरी हुई। घरेलू शेयर बाजार में सुधार के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। गुरुवार को 'महाराष्ट्र दिवस' के मौके पर शेयर बाजार बंद रहे थे। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 1,64,959.62 करोड़ रुपये बढ़कर 19,24,235.76 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का मूल्यांकन 20,755.67 करोड़ रुपये बढ़कर 10,56,029.91 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 19,381.9 करोड़ रुपये बढ़कर 10,20,200.69 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,514.78 करोड़ रुपये बढ़कर 14,73,356.95 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का 10,902.31 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,25,668.37 करोड़ रुपये, आईटीसी की बाजार हैसियत 2,502.82 करोड़ रुपये बढ़कर 5,38,294.86 करोड़ रुपये और एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 1,160.2 करोड़ रुपये बढ़कर 7,14,014.23 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के विपरीत

बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 15,470.5 करोड़ रुपये घटकर 5,50,726.80 करोड़ रुपये रह गई।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 1,985.41 करोड़ रुपये घटकर 5,45,845.29 करोड़ रुपये पर आ गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 1,284.42 करोड़ रुपये घटकर 12,45,996.98 करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

विंडसर ईवी के नए वेरिएंट की टेस्टिंग प्रारंभ, आई तस्वीरें

नई दिल्ली।

अपनी पॉपुलर इलेक्ट्रिक एसयूवी विंडसर ईवी के बड़े बैटरी पैक वाले वेरिएंट पर एमजी मोटर इंडिया काम कर रही है। इस नए वेरिएंट की टेस्टिंग भी कंपनी ने शुरू कर दी है। इसकी टेस्टिंग के दौरान तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में देखा गया कि इस नए वेरिएंट में पीछे की तरफ अडास बैज और फ्रंट विंडशील्ड पर एक रडार मौजूद है, जो कि इसके ऑटोनोमस ड्राइविंग फीचर्स की पुष्टि करता है। नई विंडसर ईवी का लंबा रेंज वेरिएंट 50.3 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक लेकर आएगा, जिसे पहले झेडएस ईवी में देखा गया है और यह 460 किमी की रेंज देता है। इस नए वेरिएंट में वी2एल (व्हीकल टू लोड) फीचर की शुरुआत की जा सकती है, जो इसे भारतीय बाजार में टाटा नेक्सन ईवी के मुकाबले एक मजबूत विकल्प बना सकता है। इसमें लेवल 2 अडास सुइट शामिल होने की संभावना है, जिसमें एडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, और इंटेलिजेंट हाई बीम असिस्ट जैसे एडवांस्ड फीचर्स मिलेंगे। इसके अलावा, विंडसर ईवी के स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम, 360 डिग्री कैमरा और इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक शामिल होंगे। एमजी विंडसर ईवी में कई हाई-एंड फीचर्स भी होंगे जैसे 18-इंच डायमंड कट

एलॉय व्हील, स्मार्ट फ्लश डोर हैंडल, पैनोरमिक ग्लास रूफ, और 15.6-इंच ग्रैंड व्यू टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम।

भारत की उदार एफडीआई नीति वैश्विक निवेशकों को देती है बड़ा अवसरःपरामर्शक कंपनी

नई दिल्ली।

भारत की उदार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति ऐसे वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश के अवसर उपलब्ध कराती करती है। एक परामर्शक कंपनी ने रविवार को यह बात कही है। कंपनी ने कहा कि फार्मास्युटिकल्स, वाहन और पर्यटन जैसे क्षेत्र न केवल एफडीआई के लिए आकर्षण का केंद्र हैं, बल्कि रोजगार, निर्यात और नवोन्मेषण के इंजन भी हैं, जो भारत की वृद्धि की अगली लहर को गति दे रहे हैं। भारत ने बीमा, बीमा मध्यस्थ, पर्यटन निर्माण, अस्पताल और चिकित्सा उपकरण जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित अधिकांश क्षेत्रों में स्वतः मंजूर मार्ग के तहत 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर महत्वपूर्ण प्रगति की है। कंपनी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि यह कदम न केवल खुलेपन बल्कि स्थिरता का संकेत देता है, जो वैश्विक निवेशकों को भारत की विशाल और बढ़ती अर्थव्यवस्था में उतरने के लिए एक अनुकूल अवसर प्रदान करता है। उन्होंने यह भी कहा कि 70 अरब अमेरिकी डॉलर की राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन और 100 से अधिक शहरों में औद्योगिक गलियारे के विकास के समर्थन से, भारत वैश्विक निवेशकों को निवेश के लिए तैयार (प्लग-एंड-प्ले) क्षेत्र प्रदान कर रहा है।

देश में डीजल की मांग अप्रैल में चार प्रतिशत बढ़ी

31 मार्च, 2024 को डीजल की मांग में सिर्फ दो प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी

नई दिल्ली।

देश में डीजल की मांग में अप्रैल में करीब चार प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। कई माह की नकारात्मक या कम वृद्धि के बाद अप्रैल में गर्मियों की शुरुआत के साथ डीजल की खपत बढ़ी है। डीजल देश में सबसे ज्यादा उपभोग किया जाने वाला ईंधन है। डीजल, देश में सबसे अधिक उपभोगित ईंधन है, इसलिए इस मांग की बढ़ोतरी का अर्थिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों पर बड़ा प्रभाव हो सकता है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में, डीजल की मांग में सिर्फ दो प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी। इसके मुकाबले, अप्रैल में डीजल की खपत में 82.3 लाख टन की बढ़ोतरी हुई, जो एक साल पहले की समयावधि से लगभग चार प्रतिशत अधिक है। यह कोविड-पूर्व की अवधि यानी 2019 से तुलना में डीजल की खपत में 10.45 प्रतिशत की वृद्धि है। गर्मियों की शुरुआत के साथ, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डीजल की मांग बढ़ गई है। अप्रैल, 2025 में डीजल की मांग में चार प्रतिशत की वृद्धि, जो इस महीने के लिए दर्ज की गई सबसे ऊंची मात्रा है। उद्योग के अधिकारी बता रहे हैं कि पिछले कुछ महीनों में डीजल की मांग में सुस्ती रही है, लेकिन अब वृद्धि के साथ इसकी मांग बढ़ गई है।

इसके बावजूद देश में कुल पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में डीजल का हिस्सा करीब 38 प्रतिशत है। अधिकारियों के अनुसार, डीजल की मांग में कोविड-पूर्व की अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है और अगले कुछ साल तक डीजल की मांग समायोजित रूप से बढ़ती रहने की संभावना है। अप्रैल, 2025 में पेट्रोल की खपत में भी वृद्धि हुई है, जो इस समयावधि में 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। इसे पिछले साल चुनाव प्रचार के कारण 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तुलना की जा सकती है।

घरेलू रसोई गैस की खपत में भी लगभग पांच महीनों के बराबर की वृद्धि हुई है, जबकि विमान ईंधन एविएशन टर्बाइन फ्यूल की खपत में वृद्धि घटकर 3.25 प्रतिशत रही है।

अप्रैल में एटीएफ की कुल मांग 7,66,000 टन रही। इससे पहले से बढ़ते उपभोग से पेट्रोल, सीएनजी, और बिजली का उपयोग बढ़ता जा रहा है, हालांकि डीजल के उपभोग में भी बढ़ोतरी हुई है। आगे के वर्षों में देश में डीजल की मांग में और वृद्धि की संभावना है।

रेनो बोरियल को पहले ग्लोबल मार्केट में लॉन्च किया जाएगा

नई दिल्ली।

हाल ही में रेनो ने रेनो बोरियल एसयूवी के टीज़र को जारी किया, जिससे इसके डिज़ाइन और अन्य फीचर्स का भी पता चला है। यह एसयूवी रेनो की सिस्टर कंपनी डेसिया द्वारा पेश की गई बिगस्टर के समान है, जो डस्टर का 7-सीटर वर्जन है। कहा जा रहा है कि रेनो बोरियल को पहले ग्लोबल मार्केट में लॉन्च किया जाएगा, और भारत में इसे 2026 की शुरुआत में पेश किया जा सकता है। रेनो बोरियल का डिज़ाइन और फीचर्स डस्टर के समान होंगे, लेकिन इसे लंबा और ज्यादा प्रीमियम बनाने के लिए कुछ बदलाव किए जाएंगे। इसमें बड़ी व्हील्ज और बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस होगी, जो इसे ऑफ-रोडिंग के लिए उपयुक्त बनाएगी। ग्लोबल मार्केट में रेनो बोरियल की ग्राउंड क्लीयरेंस 220 मिमी है। अंदर की तरफ पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, अडास, 10-इंच इंफोटेनमेंट, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और मल्टी-टेरेन मोड्स के साथ एडब्ल्यूडी सिस्टम जैसे फीचर्स होंगे। इसके पावरट्रेन के बारे में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि यह डस्टर के समान इंजन विकल्पों के साथ आएगा। इनमें 1.6-लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन होगा, जो दो इलेक्ट्रिक मोटर्स के साथ आएगा और शहर के ट्रैफिक में 80 प्रतिशत समय तक इलेक्ट्रिक मोड में चल सकता है।

इसके अलावा, 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन भी होगा, जो माइल्ड हाइब्रिड तकनीक के साथ 130 बीएचपी पावर जनरेट करेगा।

सरसों तेल, सोयाबीन तिलहन को छोड़कर अन्य तेल-तिलहन गिरावट के साथ बंद

कच्चे पामतेल का 1,110-1,115 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,055-1,160 डॉलर प्रति टन हुआ

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों तेल और सोयाबीन तिलहन को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि जिस कच्चे पामतेल (सीपीओ) का दाम पहले 1,110-1,115 डॉलर प्रति टन था, बीते सप्ताह वह घटकर 1,055-1,160 डॉलर प्रति टन रह गया। इसी प्रकार, सोयाबीन डीगम का जो दाम पहले 1,115-1,120 डॉलर प्रति टन था वह बीते सप्ताह घटकर 1,090-1,095 डॉलर प्रति टन रह गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि देश में मूंगफली, सोयाबीन की बिजाई का समय निकट आने के साथ सहकारी संस्था नेफेड द्वारा इन दोनों फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम हाजिर दाम पर की जा रही बिकवाली की वजह से तेल तिलहन में गिरावट रही। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 6,275-6,375 रुपये प्रति क्विंटल पर, जबकि सरसों दादरी तेल का थोक भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 13,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,360-2,460 रुपये और 2,360-2,485 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। एक ओर जहां सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 4,475-4,525 रुपये और 4,175-4,225 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 450 रुपये, 400 रुपये और 350 रुपये घटकर क्रमशः 13,050 रुपये, 12,950 रुपये और 9,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 5,625-6,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 250 और 25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 13,900 रुपये क्विंटल और 2,220-2,520 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। विदेशों में दाम टूटने के बीच, कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 650 रुपये की गिरावट के साथ 11,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 550 रुपये की गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 500 रुपये की गिरावट के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 500 रुपये टूटकर 12,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

वित्त वर्ष 2025 में एसबीआई का परिचालन लाभ 1.10 लाख करोड़ के पार

सालाना आधार पर परिचालन लाभ 8.83 प्रतिशत बढ़कर 31,286 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 में चौथी तिमाही में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने परिणामों को घोषित करते हुए देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में अच्छे नतीजे प्रस्तुत किए हैं। सालाना आधार पर परिचालन लाभ में 8.83 प्रतिशत बढ़ गया और यह 31,286 करोड़ रुपए रहा। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुनाफा में 16.08 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई और इसने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त किया। एसबीआई ने वित्तीय परिणामों में वृद्धि की जानकारी शनिवार को दी, जिसमें बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बड़े अंकों में उत्तरदायित्व का लक्ष्य पार करने के संकल्प का व्यक्त किया। चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीएटी) में भी वृद्धि हुई और यह 20,698 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा स्लिपेज अनुपात में भी सुधार हुआ है, जिससे बैंक के अनुपात में सुधार की दिशा में कदम बढ़ा है। एसबीआई के निदेशक मंडल ने बैंक के हिस्सेदारों के लिए अच्छे खबर दी है, जिसमें प्रति शेयर 15.9 रुपए का लाभांश घोषित किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बैंक का आरओए और आरओई क्रमशः 1.10 प्रतिशत और 19.87 प्रतिशत रहा। इसके अलावा बैंक के एसएमई एडवांस और एग्री एडवांस में भी वृद्धि हुई है, जिससे वित्त वर्ष 2024-25 के

लिए स्लिपेज अनुपात में सुधार दर्शाया गया है। बैंक ने डिजिटल रूप से अधिग्रहित होने की भी बात की है, जिसमें वैकल्पिक चैनलों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब किंग्स ने मैक्सवेल की जगह अनकैप्ड ओवेन को शामिल किया

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने चोटिल ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की जगह पर अनकैप्ड मिचेल ओवेन को शामिल किया है। मैक्सवेल पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं। ओवेन भी ऑस्ट्रेलिया के ही हैं हालांकि उन्होंने अभी तक ऑस्ट्रेलिया की ओर से नहीं खेला है। पंजाब ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ धर्मशाला में होने वाले मैच से पहले ओवेन को शामिल करने की घोषणा की है। पंजाब ने अब तक 10 में से 6 मुकाबले जीते हैं जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। इस तरह टीम के 13 अंक हैं और वह प्लेऑफ में पहुंचने लखनऊ के खिलाफ जीत चाहेगी। तस्मानिया की ओर से खेलने वाले ओवेन ने 34 टी20 मैचों में 646 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं। इसके अलावा 10 विकेट भी लिए हैं। ओवेन को 3 करोड़ रुपये में शामिल किया गया है। वहीं चोट के कारण बाहर हुए मैक्सवेल का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। अब देखना है कि उनकी जगह पर शामिल ओवन कितने उपयोगी साबित होते हैं। इससे पहले कोच रिकी पोंटिंग ने हाल ही में कहा था कि लॉकी फर्ग्यूसन और ग्लेन मैक्सवेल का रिप्लेसमेंट खोजने में पंजाब किंग्स को परेशानी हो रही है। इस कारण टीम प्रबंधन भारतीय प्रतिभाओं को शामिल कर सकता है पर ऐसा नहीं हुआ। पोंटिंग ने अपने ही देश के अनकैप्ड खिलाड़ी को मौका दिया है।

आईपीएल में सनराइजर्स पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

हैदराबाद।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल कर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। कैपिटल्स को पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। जिससे उसके विजय अभियान को झटका लगा था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम अभी 10 मैच में 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। वहीं सनराइजर्स की टीम नौवें स्थान पर है, ऐसे में इस मैच में दिल्ली का पलड़ा भारी नजर आता है। इस मैच में दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल का खेलना संदिग्ध है। अक्षर को पिछले मैच में केकेआर के खिलाफ बाएं हाथ में चोट लग गयी थी। थे। अक्षर ने पिछले मैच में 23 गेंद में 43 रन बनाये थे। ऐसे में अक्षर इस मैच में नहीं खेलते या मैच में उनकी भूमिका सीमित होती है तो इससे टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। टीम को अपने पिछले दो मैच में घरेलू मैदान पर केकेआर और आरसीबी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली की टीम अपने पिछले पांच में से तीन मुकाबले हारी है ऐसे में उसके लिए इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करना जरुरी है। उनके लिए राहत की बात ये है कि अनुभी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसी फॉर्म में आ गये हैं। टीम की बल्लेबाजी के आधार के एल राहुल रहेंगे। राहुल ने अब तक नौ मैच में 371 रन बनाये हैं। इस मैच में दिल्ली के बल्लेबाजों के लिए हैदराबाद के तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, मोहम्मद शमी के अलावा हर्षल पटेल का सामना करन आसान नहीं होगा। वहीं उसके बल्लेबा अभिषेक पोरेल भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। दिल्ली के पास ऑलराउंडर के तौर पर विपराज निगम है। निगल अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने में सक्षम हैं। वहीं दिल्ली की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाजों मिचेल स्टार्क और दुष्मंता चमीरा के अलावा मुकेश कुमार जैसे अनुभवी गेंदबाजों के पास है। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम की

प्लेफऑफ की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी है । टीम की ताकत बल्लेबाजी है पर इस सत्र में उसके बल्लेबाज विफल रहे हैं। ट्रविस है और अभिषेक शर्मा के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है, हेनरिक क्लासेन भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वहीं गेंदबाज मो शमी, ट्रेविस हेड, इशान किशन, और जयदेव उनादकट भी प्रभावित नहीं कर पाये है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में सनराइजर्स के जीतने की संभावनाएं बेहद कम हैं।

शेफर्ड ने लगाया आईपीएल का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक

बेंगलुरु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ओर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) मैच में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेफर्ड ने शानदार प्रदर्शन किया है। आरसीबी की ओर से खेल रहे शेफर्ड ने सीएसके खिलाफ मैच में केवल 14 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। ये इस सत्र का सबसे तेज अर्धशतक है। शेफर्ड ने खलील अहमद के एक ही ओवर में 33 रन बना दिया। आईपीएल में यह दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। रोमारियो ने अंतिम दो ओवरों में सीएसके के गेंदबाज मथीसा पथिराना और खलील अहमद पर हमला बोला। शेफर्ड ने अपनी अर्धशतकीय पारी में 6 छक्के और 4 चौके लगाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 378.57 का रहा है। वह यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाये। यशस्वी ने साल 2023 में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया था। केएल राहुल और पैट कमिंस के नाम भी 14 गेंदों पर

अर्धशतक का रिकार्ड हैं। पहनी पारी के रोमारियो ने एक ही ओवर में 33 रन बन दिये। उन्होंने सीएसके के गेंदबाज खलील अहमद की गेंदों पर ये रन बनाए। गौरतलब है कि आईपीएल में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज केक्रिस गेल के नाम है जिन्होंने कोच्चि टस्कर्स के खिलाफ 37 रन बनाए थे। आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल के मैच में 5 विकेट पर 213 रन बनाए।

खलील के नाम दर्ज हुआ एक शर्मनाक रिकार्ड

बेंगलुरु।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाज खलील अहमद यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में विफल रहे। उनके एक ही ओवर में 33 रन बने। यह इस आईपीएल सत्र का सबसे महंगा ओवर बना है। वहीं टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरा सबसे महंगा ओवर भी रहा। आरसीबी की पारी के 19वें ओवर में शेफर्ड के खिलाफ खलील को गेंद दी गयी। शेफर्ड ने इस ओवर में चार छक्के और दो चौके लगाकर खलील को जमकर पीटा। इस ओवर में खलील ने एक नो-बॉल भी फेंकी इस ओवर में खलील ने 33 रन दिये। इस प्रकार किंग्स इलेवन के एक खिलाड़ी पारविंदर अवाना के एक रिकॉर्ड की उन्होंने बराबरी की, अवाना किंग्स इलेवन की ओर से चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक ओवर में इतने ही रन दिए थे। खलील का ओवर आईपीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से तीसरा सबसे महंगा ओवर साबित हुआ। वहीं आईपीएल में सबसे महंगे ओवर का रिकॉर्ड पी. परमेश्वरन के नाम है, जिन्होंने कोच्चि टस्कर्स केरल के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 37 रन बनाये थे। खलील शेफर्ड ने खलील की गेंद पर डीप मिडविकेट पर एक छक्का जड़ा, फिर लॉन्ग-ऑन पर एक विशाल हिट लगाई, और फिर एक धीमी गेंद को शॉर्ट थर्ड पर उड़ाया। यही नहीं, उन्होंने एक फुल गेंद को लॉन्ग-ऑन पर मारा, एक नो-बॉल पर शॉट को डीप एक्स्ट्रा कवर पर उड़ाया, और ओवर को शॉर्ट फाइन-लेग पर एक शॉट के साथ खत्म किया।

इंग्लैंड में नहीं स्कॉटलैंड में हुआ फुटबॉल का जन्म

स्कॉटलैंड।

दुनिया भर में लोकप्रिय खेल फुटबॉल को लेकर अब तक धारणा थी कि इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था, लेकिन नई ऐतिहासिक खोज ने अवधारणा को बदल दिया है। वैज्ञानिकों और इतिहासकारों की टीम ने स्कॉटलैंड में ऐसा प्रमाण खोजा है, जिससे साबित होता है कि फुटबॉल की शुरुआत दरअसल इंग्लैंड में नहीं, बल्कि स्कॉटलैंड में हुई थी। यह खोज न सिर्फ फुटबॉल प्रेमियों के लिए रोमांचक है, बल्कि दो सदी पुराने खेल इतिहास में भी एक बड़ा बदलाव लेकर आई है। ऐतिहासिक खोज का नेतृत्व कर रहे खेल इतिहासकार गेड ओ ब्रायन ने बताया कि उन्होंने स्कॉटलैंड के एन्वॉथ इलाके के पास एक पुराने फार्म मॉसरॉबिन में ऐसी जमीन खोजी, जो कि दुनिया की पहली फुटबॉल पिच हो सकती है। यह मैदान 17वीं सदी का है, जब वहां के लोग नियमित रूप से फुटबॉल खेला करते थे। इस पिच का जिक्र सबसे पहले रेवरेंड सैमुअल रदरफोर्ड द्वारा 1627 से 1638 के बीच लिखे गए एक खत में मिलता है।

उस पत्र में उन्होंने स्थानीय लोगों के खेल से

नाराजगी जताकर खेल पर प्रतिबंध लगाने के लिए मैदान में पत्थरों की कतार लगाने का आदेश दिया था। ब्रायन की टीम ने खोज में उन पत्थरों की वास्तविक लोकेशन का पता लगाया और पाया कि वहां कुल 14 पुराने कटे हुए पत्थर एक सीधी कतार में मौजूद हैं। मिट्टी की जांच में साबित हुआ कि वे पत्थर रदरफोर्ड के समय में ही वहां लगाए गए थे। स्कॉटिश पुरातत्व विशेषज्ञ फिल रिचर्डसन ने खोज को 'आधुनिक फुटबॉल का दादा' बताकर कहा कि इससे यह साफ होता है कि फुटबॉल का जन्म संगठित ढंग से स्कॉटलैंड में ही हुआ था। गौरतलब है कि अब तक माना जाता रहा था कि आधुनिक फुटबॉल की शुरुआत 1863 में इंग्लैंड के स्कूलों-इटॉन और हॉरो - के पुराने छात्रों द्वारा की गई थी। लेकिन यह नई खोज इंग्लैंड की बजाय स्कॉटलैंड को फुटबॉल की असली जन्मस्थली साबित करती है, और इतिहास की किताबों को फिर से लिखे जाने की मांग करती है।

संक्षिप्त समाचार

आयुष ने बनाया रिकार्ड

बेंगलुरु। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के आयुष म्हात्रे ने आईपीएल में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 94 रनों की आक्रामक पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। आयुष अब 17 साल की उम्र में अर्धशतक लगाने वाले वाले तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने 25 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। आयुष ने भुवनेश्वर कुमार जैसे गेंदबाज के एक ओवर में ही 26 रन पीट दिये। वह इंडिया अंडर 19 क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी के सलामी जोड़ीदार हैं। दोनों ने कई मैचों में पारी की शुरुआत की है। वहीं वैभव ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शतक लगाकर रिकार्ड बनाया है। वह आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेज हैं। आयुष ने अपनी पारी के दौरान 98 मीटर लंबा छक्का भी लगाया। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंडया और लुंगी एंगिडी जैसे गेंदबाजों पर शॉट लगाये। आयुष सीएसके के लिए आईपीएल में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वह सीएसके के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर हैं। आयुष को सीएसके ने अपने नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के विकल्प के तौर पर रखा है।

विराट आईपीएल में सबसे अधिक बार 500 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ लगाये अर्धशतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। विराट ने 62 रनों की इस पारी के साथ ही आईपीएल में अपने 500 रन पूरे किये। ये आठवीं बार है जब उन्होंने 500 से अधिक रन बनाये हैं। इस प्रकार वह सबसे अधिक बार 500 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर के नाम था। वार्नर ने 7 बार 500 से अधिक रन बनाये हैं। वहीं भारत के केएल राहुल ने अब तक छह बार 500 से अधिक रन बनाये हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं जबकि पिछले साल संन्यास की घोषणा करने वाले शिखर धवन के नाम भी पांच बर 500 से ज्यादा रनों का रिकार्ड है।

(बेंगलुरु) रोमांचक मैच में बेंगलुरु 2 रन से जीता, विराट का अर्धशतक

बेंगलुरु। आईपीएल के 52वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुने चेन्नई सुपर किंग्स को 2 रन से हरा दिया दिया। चेन्नई ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 211 रन बनाए । लुंगी एनगिडी ने आयुष म्हात्रे (94 रन) और डेवाल्ड ब्रेविस (शून्य) को लगातार बॉल पर आउट किया। उन्होंने सैम करन (5 रन) को भी पवेलियन भेजा। शेख रशीद (14 रन) को क्रुणाल पंड्या ने पवेलियन भेजा। चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई ने बॉलिंग चुनी। बेंगलुरु ने 5 विकेट खोकर 213 रन बनाए। रोमारियो शेफर्ड ने 14 गेंद पर सीजन की सबसे तेज फिफ्टी लगाई। विराट कोहली (62 रन) और जैकब बेथेल (55 रन) ने भी फिफ्टी लगाई।

एशिया कप से पाकिस्तान को किया जा सकता है बाहरः गावस्कर

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एशिया कप से बार कर दिया जाना तय है। एशिया कप की मेजबानी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) कर रहा है और ऐसे में वह किसी भी हालत में पाक शामिल करना नहीं चाहेगा। गावस्कर ने यहां तक कहा कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) को भी भंग किया जा सकता है। गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई सरकार के अनुसार चलती है और अभी सरकार पाक से किसी प्रकार के संपर्क के पक्ष में नहीं है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार अगर सरकार पाक से क्रिकेट संबंध नहीं चाहती, तो बीसीसीआई उसपर अमल करेगी। एशिया की मेजबानी सितंबर में भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे। गावस्कर ने यह भी कहा कि अगर हालात और खराब होते हैं ता बीसीसीआई एसीसी से भी अलग हो सकता है और बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान जैसे देशों के साथ अलग टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट भारत, श्रीलंका या बांग्लादेश में कराया जा सकता है और भारत इसकी मेजबानी करेगा। उन्होंने ये भी कहा कि अगर दो देश एक-दूसरे से दुश्मनी की स्थिति में हों, तो उनके बीच

क्रिकेट खेला जाना संभव नहीं है। भारतीय टीम ने इससे पहलेचैंपियंस ट्रॉफी में भी पाकिस्तान का दौरा न करते हुए तटस्थ स्थल पर अपने मैच खेले थे।

सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन के पास है करोड़ों की संपत्ति, महंगी कारों की हैं शौकीन

इस आईपीएल में थी एसआरएच से उन्हें काफी उम्मीद जो अब हो गई खत्म

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल 2025 से तकरीबन बाहर ही हो चुकी है। अब उनका प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना बहुत मुश्किल है। टीम की मालकिन काव्या मारन को काफी उम्मीदें थी लेकिन वह खत्म हो गई। आपको बता दें काव्या मारन के पास कितनी संपत्ति हैं और वह इतनी कमाई कहां कहां से करती हैं। उनकी कार कलेक्शन में कौन कौन सी गाड़ियां हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन की कुल संपत्ति करीब 400 करोड़ की बताई जाती है। उनके कार कलेक्शन में फेरारी रोमा, बेंटले बेंटायगा, रोल्स-रॉयस फैंटम और बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी गाड़ियां हैं। काव्या को इतनी संपत्ति अपने पिता के कारण मिली है। उनके पिता कलानिधि मारन सन ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं, जिनकी नेटवर्थ करीब 25000 करोड़ से भी ज्यादा है। काव्या मारन सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक हैं। वह अपने पिता का कामकाज देखती हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ और सह-मालिक हैं। वह द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स समेत अन्य प्रोफेशनल खेल टीमों में सन ग्रुप के निवेश की भी देखरेख करती हैं। सनराइजर्स इस्टर्न केप की मालकिन भी काव्या मारन ही है। चेन्नई में जन्मी काव्या मारन ने अपनी पढ़ाई यूके के वारविक बिजनेस स्कूल से एमबीए करने से पहले चेन्नई के स्टेला मैरिस कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। 2018 में फ्रेंचाइजी की कमान संभालने के बाद से उन्होंने एसआरएच की ब्रांड पहचान को मजबूत करने की दिशा में काम किया। वह हर समय टीम के साथ रही हैं और उनके चीयर करती नजर आती हैं।

कार्तिक ने यश को मेहनती खिलाड़ी बताया

बेंगलुरु।

आरसीबी के मेंटोर व पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के गेंदबाज यश दयाल की जमकर प्रशंसा की है। यश के अंतिम ओवर में की गयी शानदार गेंदबाजी से आरसीबी ने सीएसके के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 2 रनों से जीत दर्ज की थी। यश ने एक छक्का लगने के बाद भी ओवर में 10 रन ही दिए। कार्तिक ने कहा कि यश बेहद गंभीर है। वह यश एक ऐसा खिलाड़ी है जो बहुत मेहनती है, एक कागज लेकर टीम बैठक में आता है और वह सब कुछ लिखता है जो वह करना चाहता है। कई बार वह इसमें सफल नहीं होता लेकिन वह प्रयास करता है। कार्तिक ने कहा कि उसके पास हमेशा एक योजना होती है, उसके पास एक विशेष कौशल है और यही एक कारण है कि हमने उसे बनाए रखा। यश तो यश ही हैं, उन्होंने जिस तरह से गेंदबाजी की वह बेहतरीन थी। यह एक अच्छा टीम प्रयास था।

सूर्यकुमार ने आयुष को भविष्य का सितारा बताया

बेंगलुरु।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को यहां हुए आईपीएल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे अपनी आक्रामक पारी से सबके आकर्षण का केन्द्र बने हैं। आयुष ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए 94 रन बनाये हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। आयुष की इसी पारी की भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जमकर प्रशंसा की है। सूर्यकुमार ने कहा है कि आयुष भविष्य के सितारे हैं। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, निश्चित इरादे, बहादुरी और जोश से भरी पारी! भविष्य यहीं है, यह नाम याद रखना। गौरतलब है कि आयुष को कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद सीएसके ने अपनी टीम में शामिल किया था। वह मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। इस मैच में आसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने अंतिम ओवर में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए आरसीबी को जीत दिलायी। इस मैच में जीत के लिए सीएसके को अंतिम ओवर में 15 रन की जरुरत पर वह केवल 13 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत से आरसीबी का प्लेऑफ में पहुंचना तय हो गया है। इस मैच में आयुष की पारी सबसे आकर्षण का केन्द्र रही। आयुष ने 48 गेंदों में 195.83 के स्ट्राइक रेट से 94 रन बनाए। अपनी इस पारी में आयुष ने 9 चौके और 5 छक्के

लगाये। सीएसके प्लेऑफ से बाहर होने के बाद अगले सत्र के लिए प्रतिभाएं तलाश रही थी जिसमें अब वह सफल होती दिख रही है।

विराट ने आईपीएल में एक ही टीम से सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल के इस सत्र में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। विराट सीएसके के खिलाफ अर्धशतक लगाते ही आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज गए हैं। उन्होंने सीएसके के खिलाफ 1146 रन बनाए हैं। विराट ने सीएसके के खिलाफ 33 गेंद में 62 रन बनाये। इसमें उन्होंने 5 छक्के और 5 चौके लगाए। कोहली इसके साथ ही एक टीम के लिए 300 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए 305 छक्के लगाये हैं। वहीं क्रिस गेल ने आरसीबी के लिए 263 छक्के लगाए हैं। गेल एक टीम से सबसे अधिक रन बनाने के मामले में विराट के बाद दूसरे नंबर पर हैं. इस सूची में रोहित शर्मा तीसरे, कायरन पोलार्ड चौथे और एमएस धोनी पांचवें नंबर पर हैं। रोहित ने मुंबई इंडियंस के लिए 262, पोलार्ड ने मुंबई के लिए ही 258 और धोनी ने सीएसके के लिए 257 छक्के जमाए हैं। विराट ने एक मैदान पर सबसे अधिक छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। उन्होंने बेंगलुरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 152 छक्के लगाए हैं। एक मैदान पर सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में भी विराट के बाद क्रिस गेल ही आते हैं। . उन्होंने बेंगलुरू में 151 और मीरपुर (ढाका) में 138 छक्के लगाए हैं

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मन की साधना

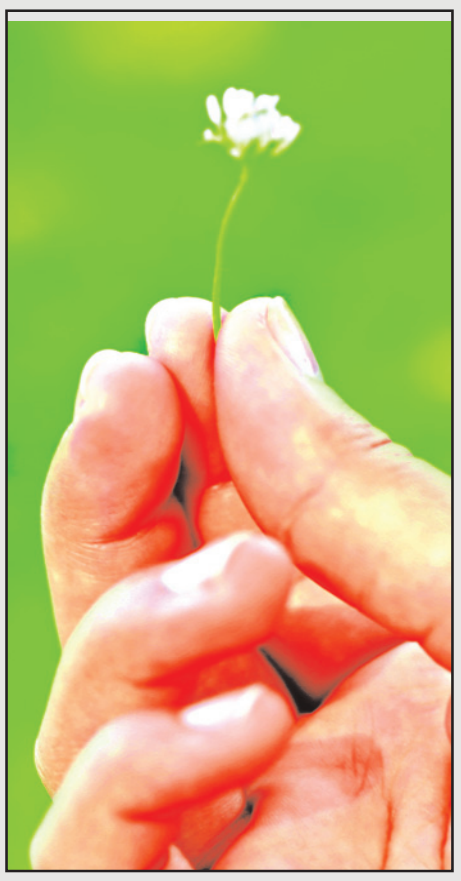

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही भक्त कर रहे दर्शन

तीन चाबियों से खुलते हैं कपाट खोलने के लिए गेट पर लगे ताले

बदरीनाथ।

गंगोत्री-यमुनोत्री, केदारनाथ धाम के बाद 4 मई को बदरीनाथ धाम के कपाट भी दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोलने पर गेट पर लगे ताले को तीन चाबियों से खोला जाता है। बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोलने पर द्वार पर लगे ताले को तीन चाबियों से खोला जाता है। एक चाबी से ताला टिहरी राजपरिवार का प्रतिनिधि खोलता है। यह चाबी बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति की होती है। दूसरी चाबी बदरीनाथ मंदिर के हक हकूकधारी बामणी गांव के भंडारी थोक और तीसरी चाबी हक हकूक धारी बामणी गांव के मेहता थोक के पास होती है। बदरीनाथ के कपाट खुलने पर सबसे पहले मंदिर के गर्भ गृह में बदरीनाथ के रावल प्रवेश करते हैं। भगवान को दंडवत प्रणाम कर आज्ञा लेकर कर सबसे पहले वह ऊनी वस्त्र कम्बल जो कपाट बंद होने के समय भगवान को पहनाया गया था। उसे अनुरोध पूर्वक रावल जी उतारते हैं। भगवान के विग्रह से प्राप्त इस घृत कम्बल के एक एक रेशे को प्रसाद के रूप में प्राप्त करना श्रद्धालु अपना सौभाग्य मानते हैं। बदरीनाथ मंदिर के पूर्व धर्माधिकारी पंडित भुवन उनियाल कहते हैं यह आस्था और मान्यता अनादि काल से चली आ रही है।इस मौके पर यूपी के नोएडा, सहारनपुर, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, रामपुर, कानपुर, समेत दिल्ली-हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों से भारी संख्या में तीर्थ यात्री मौजूद रहे। विदित हो कि गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के कपाट 28 अप्रैल को खुल गए हैं, जबकि केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को दर्शनार्थ खोले जा चुके हैं। देश के कई राज्यों से उत्तराखंड चारधाम यात्रा में दर्शन करने वाले भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली रही है। बदरीनाथ के कपाट खुलने से पहले धाम को 25 क्विंटल फूलों से सजाया गया था। इसी के साथ ही आकर्षक लाइटें भी लगाई गईं थीं। आपको जानकार यह आश्चर्य होगा कि पिछले 20 सालों से एक ही परिवार धाम की फूलों से सजावट करता है। उत्तराखंड के ऋषिकेश में रहने वाला एक गुमनाम परिवार धाम की फूलों से सजावट करता है। भारत के चार धामों में एक बदरीनाथ धाम की विशेषता के बारे में बताते हुए बदरीनाथ मंदिर के पूर्व धर्माधिकारी पंडित भुवन उनियाल बताते हैं कि बदरीनाथ धाम चारों युगों में प्रख्यात हैं। इसे सतयुग में मुक्ति प्रदा, त्रेता में योगसिद्धिदा, द्वापर में विशाला और कलियुग में बदरिकाश्रम बदरीनाथ धाम नाम से जाना जाता है। बता दें कि तीर्थ यात्री ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन मोड से यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। उत्तराखंड के हरिद्वार, विकासनगर सहित यात्रा रूट पर ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए काउंटर खोले गए हैं। उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर जाने से पहले तीर्थ यात्रियों के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य किया गया है।

भगवान नारायण करते थे अभिषेक

बदरीनाथ के कपाट खुलते ही यहां मानवों द्वारा भगवान नारायण बदरी विशाल का नित्य अभिषेक, पूजन दर्शन और अर्चना शुरू हो जाती है। बदरीनाथ मंदिर के धर्माधिकारी पंडित राधाकृष्ण थपलियाल

बताते हैं कि बदरीनाथ के कपाट बंद होने पर शीतकाल में 6 माह तक देवता भगवान बदरी विशाल के दर्शन पूजन अर्चना करते हैं।उस अवधि में देवर्षि नारद भगवान के मुख्य पुजारी होते हैं। कपाट खुलने पर मानव भगवान के दर्शन पूजन अर्चना करते हैं। दक्षिण भारत के केरल प्रांत के नम्बूदरी ब्राह्मण रावल मुख्य पुजारी होते हैं। उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर जाने से पहले सरकार की ओर से श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय की श्रद्धांजलि सभा

दादा और पत्नी ने किया सैल्यूट, सीएम सैनी की पत्नी ने चढ़ाए फूल

करनाल। हरियाणा के करनाल में नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें दादा, माता-पिता, पत्नी और बहन पहुंचे। इस दौरान सभी ने विनय नरवाल की फोटो पर फूल चढ़ा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं दादा और पत्नी हिमांशी ने सैल्यूट किया। इस दौरान पत्नी हिमांशी भावुक हो गईं। उन्हें ससुर राजेश ने दिलासा दिया। कार्यक्रम में सीएम नायब सैनी की पत्नी सुमन सैनी भी पहुंची। इससे पहले नेवी के अफसरों ने विनय नरवाल को श्रद्धांजलि दी। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण के अलावा करनाल जिले के विधायक भी यहां पहुंचेंगे। बता दें 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले में आतंकियों ने लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी। वे पत्नी हिमांशी के साथ हनीमून मनाने वहां गए थे। 23 अप्रैल को करनाल में विनय का अंतिम संस्कार किया गया था। बहन और चचेरे भाई ने मुखाग्नि दी थी। सीएम नायब सैनी ने कुछ दिन पहले परिवार को 50 लाख की मदद और एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा की थी।

उल्लू ऐप ने 'हाउस अरेस्ट' शो के सभी एपिसोड हटाए, मांगी माफी

मुंबई। डिजिटल प्लेटफॉर्म उल्लू ऐप पर प्रसारित 'हाउस अरेस्ट' शो को लेकर इसका विरोध हो रहा है। इस मामले में होस्ट और निर्माताओं को समन भी जारी हो चुका है। उल्लू ऐप ने शो के सारे एपिसोड हटाने के बाद माफी मांगी है। उल्लू ऐप पर 'हाउस अरेस्ट' शो को लेकर हिंदू संगठन ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामले को गर्माता देख उल्लू ऐप ने हाउस अरेस्ट के सभी शो हटा दिए हैं। उल्लू ऐप ने माफी मांगते हुए लिखा कि शो के सभी एपिसोड 3-4 दिन पहले हटा दिए गए थे। यह रिलीज आंतरिक टीम की अनदेखी और लापरवाही का परिणाम थी, जिसे हम स्वीकार करते हैं। कानून का पालन करने वाली संस्था के रूप में हम शो के रिलीज से हुई किसी भी असुविधा के लिए माफी मांगते हैं। धार्मिक भावनाओं को आहत करने और महिलाओं के अश्लील चित्रण के आरोप के साथ हिंदू संगठन की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने प्रोड्यूसर राजकुमार पांडे और होस्ट एजाज खान के खिलाफ 2 मई को एफआईआर दर्ज की थी। हिंदू संगठन का आरोप है कि प्रोड्यूसर और होस्ट ने मिलीभगत करके ऐसा कंटेंट तैयार किया जो महिलाओं का अपमान करता है और समाज में गलत मैसेज देता है। उन्होंने एक लिखित आवेदन देकर 'हाउस अरेस्ट' सीरीज को बंद करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की थी।

जम्मू-कश्मीर में गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, दो जवानों की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में भारतीय सेना का वाहन खाई में गिर गया, जिसमें दो जवानों की जान चली गई। यह घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी छस्मा के पास हुई। पुलिस, एसडीआरएफ, स्थानीय लोग और सेना ने तुरंत मोर्चा संभाला और बचाव और राहत कार्य शुरू किए। घटन की कुछ तस्वीरें सामने आई जिसमें 700 फीट गहरी खाई में वाहन क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहा है। घटनास्थल पर जवानों के शव, उनके सामान और कुछ कागजात बिखरे पड़े नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले का हिस्सा था। बता दें कि सेना का काफिला उधमपुर से श्रीनगर जा रहा था। रामबन के पास काफिले की जो गाड़ी खाई में जा गिरी, उसमें दो जवान सवार थे। एक चालक और एक सैनिक गाड़ी में सवार थे। एक शव बरामद कर लिया गया है और उसकी पहचान सुरजीत कुमार के रूप में हुई है। वहीं, दूसरे का पता लगाने अभियान खबर लिखे जाने तक जारी था।

यूपी में भीषण सड़क हादसा- चार लोगों की मौत, एक गंभीर घायल

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में एक भयानक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा शनिवार की रात करीब 12 बजे घटित हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। पु लिस के अनुसार कार चार लोगों से भरी हुई थी जो बारात से लौट रहे थे। हादसे में सुनील कुमार पटेल, चंद्रबदन सिंह पटेल, रवि कुमार पटेल, और एयरफोर्स कर्मी विकास कुमार पटेल की मौत हो गई। एक और व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। हादसे के बाद, चीख-पुकार के मच गई और मौके पर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने सभी को कार से निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, मौके से आगे की कार्रवाई अभी जारी है। जानकारी के मुताबिक शनिवार रात करीब 12 बजे जैसे ही कार पिपरी थाना क्षेत्र में गुंगवा का बाग के पास पहुंची, तो किसी और वाहन को बचाने के चक्कर में कार पेड़ से जा टकराई। कार की रफ्तार तेज थी, जिस वजह से बेकाबू हो गई।

पहलगाम हमले कीप्रारंभिक रिपोर्ट जल्द केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपेगी एनआईए

श्रीनगर।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) 22 अप्रैल को बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपने की तैयारी कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट बहुत जल्द एमएचए को सौंपी जाएगी।

एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते की देखरेख में संकलित रिपोर्ट सबूतों पर आधारित है। इसमें करीब 150 गवाहों की गवाही, अपराध स्थल का 3डी रीक्रिएशन और साइट पर एकत्र कारतूसों का बैलिस्टिक विश्लेषण शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट बहुत जल्द एमएचए को सौंपी दी जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह सीमा पार से समन्वय के साथ एक सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध हमला था। बेतताब घाटी में हथियार पहले से ही तैनात थे और क्षेत्र में ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) ने हमलावरों को निगरानी और आश्रय सहित रसद सहायता प्रदान की। अधिकारियों ने कहा कि हमलावरों ने ऑपरेशन के दौरान पीओके में अपने आकाओं के साथ सक्रिय कम्युनिकेशन बनाए रखा और माना जाता है कि वे अभी भी दक्षिण कश्मीर के कुछ हिस्सों में सक्रिय हैं। इतना ही नहीं एनआईए ने संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर्स की सूची तैयार की है और उनके नेटवर्क को खत्म करने के लिए लक्षित कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की तैयारी जारी है। एनआईए के डीजी दाते ने सप्ताह व्यक्तिगत रूप से स्थिति का आकलन करने के लिए बैसरन साइट का दौरा किया। फोरेंसिक विशेषज्ञों द्वारा समर्थित कई एनआईए टीमें सबूतों की तलाश और गवाहों से पूछताछ के लिए साइट की छानबीन कर रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की सहायता के लिए एक महानिरीक्षक के नेतृत्व में एनआईए की एक वरिष्ठ टीम पहलगाम में तैनात है। एक उप महानिरीक्षक और एक पुलिस अधीक्षक भी जांच पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। घटनाओं के पूरे सिलसिले को एक साथ जोड़ने के लिए एजेंसी ने बचे हुए लोगों के बयान कलेक्ट करने के लिए देश भर में अतिरिक्त टीमें भी भेजी थीं, जिन लोगों से पूछताछ की गई, उनमें कई टट्टू संचालक शामिल हैं जो घटनास्थल पर मौजूद थे, साथ ही एक फोटोग्राफर भी शामिल है जिसे मुख्य चश्मदीद माना जाता है।

पर्सनल लॉ बोर्ड ने हलफनामे में कहा- सभी वक्फ संपत्तियां 2013 में रजिस्टर हुईं

केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में गलत डेटा पेश करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने केंद्र पर वक्फ मामले में सुप्रीम कोर्ट में गलत डेटा पेश करने का आरोप लगाया है। बोर्ड ने 1 मई को सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में कहा कि पोर्टल पर दिख रही सभी प्रॉपर्टियां 2013 में ही रजिस्टर हुई थीं। केंद्र के हलफनामे में यह बात न होने पर बोर्ड ने इसे झूठा हलफनामा बताया है। साथ ही अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की ओर से हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है। केंद्र ने 25 अप्रैल को अपने हलफनामे में कहा था कि 2013 तक कुल वक्फ प्रॉपर्टी 18 लाख 29 हजार 163.896 एकड़ थी। 2014 से 2025 के 11 साल यह 20 लाख 92 हजार 72.563 एकड़ 116 फीसदी बढ़ गई यानी 2025 में कुल वक्फ प्रॉपर्टी 39 लाख एकड़ से ज्यादा हो गई। मामले में 5 मई को सुनवाई होना है। बोर्ड ने केंद्र के हलफनामें को संदिग्ध बताया बोर्ड ने कहा कि केंद्र अपने हलफनामे में कह रहा है कि 2013 से पहले रजिस्टर्ड सभी वक्फ प्रॉपर्टियां वक्फ मैनेजमेंट पोर्टल के चालू होते ही तुरंत अपलोड कर दी गई थीं। हलफनामे के 2013 में वक्फ प्रॉपर्टियां वाले कॉलम में प्रॉपर्टियों की संख्या को ही रजिस्टर्ड संपत्तियां कहना शरारत भरा है। ऐसा लगता है कि हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी ने जानबूझकर यह नहीं बताया कि सभी प्रॉपर्टियों को 2013 में ही पोर्टल पर अपलोड किया गया था। हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी को यह बताना चाहिए कि पोर्टल पर दिख रही सभी प्रॉपर्टियां 2013 में ही रजिस्टर हुई। हलफनामे में यह

अहम पहलू गायब है, इसलिए यह संदिग्ध है। बोर्ड ने अपने हलफनामे में कहा कि केंद्र कानून में कलेक्टर की शक्तियों के बारे में चुप है जबकि रजिस्ट्रेशन के महत्व पर 50 से ज्यादा पैराग्राफ हैं। इसके बावजूद केंद्र ने यह साफ नहीं किया कि नए कानून में वक्फ बाय यूजर के कॉन्सेप्ट को हटाने की जरूरत क्यों पड़ी जबकि 1995 के वक्फ कानून की धारा 36 के तहत रजिस्ट्रेशन करना पहले से ही जरूरी है।

दिल्ली के प्रदूषण से चिंतित उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले- बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सांस नहीं ले पा रहे

नई दिल्ली।

देश की राजधानी दिल्ली समेत कई महानगरों में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने ब्रोंकोन 2025 कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में शनिवार को कहा कि अब समय आ गया है कि हम सिर्फ अपने फेफड़ों की ही नहीं, शहरों के फेफड़ों की भी चिंता करें। उन्होंने चेताया कि बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सांसें घुट रही हैं और यह सिर्फ तकनीक से नहीं, बल्कि सोच और नीति से ही बदला जा सकता है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि विकास का मतलब अंधाधुंध निर्माण नहीं होना चाहिए, बल्कि सिस्टमेटिक और सतत विकास ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने पराली जलाने और औद्योगिक प्रदूषण को इसके मुख्य कारणों में गिनाया और कहा कि जिला स्तर पर मेडिकल सुविधाएं बढ़ानी होंगी। उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि एयर प्यूरीफायर कोई स्थायी समाधान नहीं हैं। हम तकनीक पर बहुत निर्भर हो चुके हैं, लेकिन हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा। उन्होंने कहा, कि योग, आयुर्वेद और परंपरागत भारतीय ज्ञान समाधान का हिस्सा है।

इसके साथ ही उन्होंने पब्लिक ट्रांसपोर्ट को प्राथमिकता देने और जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने की अपील की।

नीट पेपर लीक की डील 40 लाख में, राजस्थान एसओजी ने गुरुग्राम से किया तीन लोगों को गिरफ्तार

जयपुर।

देशभर में 4 मई 2025 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा से पहले पेपर लीक की ठगी की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने इस संबंध में तीन आरोपियों को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर एक नीट उम्मीदवार और उसके परिवार से 40 लाख रुपये की ठगी की कोशिश का आरोप है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बलवान (27), मुकेश मीणा (40), और हरदास (38) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, इन लोगों ने छात्र के परिवार को झांसा दिया कि उनके पास नीट-यूजी का असली पेपर है। शुक्रवार को आरोपी छात्र और उसके परिवार को हरियाणा के गुरुग्राम ले गए और पेपर दिखाने

से पहले 40 लाख की मांग की। परिवार को शक हुआ और उन्होंने तुरंत एसओजी को सूचित किया, जिसके बाद शनिवार को तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

एनटीए भी हुआ सतर्क, 106 टेलीग्राम और 16 इंस्टाग्राम चैनल चिह्नित

इससे पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने फर्जी सूचनाओं से निपटने के लिए 26 अप्रैल को एक विशेष पोर्टल लॉन्च किया था, जिसमें अब तक 1500 से अधिक संदिग्ध रिपोर्टें मिली हैं। इनमें से अधिकांश टेलीग्राम से जुड़ी हैं। एनटीए ने 106 टेलीग्राम और 16 इंस्टाग्राम चैनलों की पहचान की है जो नीट पेपर लीक का झूठा दावा कर छात्रों को गुमराह कर रहे थे। इन चैनलों को हटाने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

साइबर ठगों पर शिकंजा

इन फर्जी चैनलों के खिलाफ अब गृह मंत्रालय के साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर भी सक्रिय हो गया है। एजेंसियां लगातार सोशल मीडिया की निगरानी कर रही हैं ताकि छात्रों को ऐसी ठगी से बचाया जा सके।

रूस ने दिए भारत को अत्याधुनिक इग्ला-एस एयर डिफेंस मिसाइल, दुश्मन के ड्रोन-हेलिकॉप्टर भी अब नहीं बच सकेंगे

नई दिल्ली।

भारत की वायु रक्षा प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाते हुए भारतीय सेना को रूस से अत्याधुनिक इग्ला-एस एयर डिफेंस मिसाइलें प्राप्त हुई हैं। 250 करोड़ रुपये के विशेष रक्षा सौदे के तहत प्राप्त ये मिसाइलें अब अग्रिम मोर्चों पर तैनात की जा रही हैं, जिससे पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों से उत्पन्न खतरे का त्वरित और सटीक जवाब दिया जा सकेगा।

इस समझौते को सेना की तत्काल परिचालन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अंजाम दिया गया है। सेना सूत्रों के अनुसार, इग्ला-एस मिसाइल प्रणाली विशेष रूप से लड़ाकू विमान, अटैक हेलिकॉप्टर और ड्रोन को नजदीकी दूरी से निशाना बनाने में सक्षम है। यह मिसाइल प्रणाली पाकिस्तान सीमा पर भारतीय सेना की वायु सुरक्षा को कई गुना मजबूत करेगी।

कंधे से दागी जाने वाली बेहद घातक मिसाइल

इग्ला-एस मिसाइल एक सैनिक द्वारा कंधे से दागी जा सकती है। इसकी इंटरसेप्शन रेंज 6 किलोमीटर तक है और यह अधिकतम 11,000 फीट की ऊंचाई तक अपने लक्ष्य को भेद सकती है। 10.8 किलोग्राम वजनी यह मिसाइल 2266 किमी/घंटा की रफ्तार से उड़ान भरती है।

इसका पूरा सिस्टम 18 किलोग्राम वजनी होता है और इसकी नोक पर 1.17 किलोग्राम का विस्फोटक लगा होता है, जो टारगेट को पूरी तरह तबाह कर देता है।

वायुसेना को भी मिलेगा फायदा

रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, वायुसेना ने भी इस प्रणाली के लिए अलग से अनुबंध किया है, जिससे देश की वायुसीमा को बहुस्तरीय सुरक्षा मिल सकेगी।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ड्रोन और हवाई हमलों की आशंका पाकिस्तान और चीन दोनों ओर से बढ़ रही है।

पुरानी प्रणाली को मिलेगी नई ताकत

सेना और वायुसेना दोनों के पास पहले से मौजूद इग्ला-1एम प्रणाली 1989 से सेवा में है, लेकिन इग्ला-एस उसका कहीं अधिक उन्नत और सटीक संस्करण है।

यह नया सिस्टम लॉक एंड फायर तकनीक पर काम करता है, जिससे टारगेट एक बार लॉक हो जाने के बाद उसका बचना मुश्किल हो जाता है।

भारत और अमेरिका में सुबह-सुबह आया भूकंप, नुकसान की खबर नहीं

नई दिल्ली।

अमेरिका और भारत के कई हिस्सों में रविवार सुबह भूकंप के झटके लगे। हालांकि अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, बार-बार आ रहे भूकंपों ने लोगों में डर का माहौल है। अमेरिका में सबसे पहले रविवार सुबह 7.17 मिनट पर तेज भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई। यह भूकंप न्यू मैक्सिको के कार्लसबाद शहर से करीब 89 किलोमीटर दूर व्हाइट सिटी में केंद्रित था।

भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 7.5 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। इस भूकंप से किसी भी प्रकार के जान-माल की हानि की खबर नहीं है। बता दें अभी कुछ दिन पहले ही म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंपों और इंडोनेशिया, अर्जेंटीना व चिली में 6 से 7 तीव्रता के झटकों के बाद भूकंप ने लोगों में दहशत पैदा कर दिया थी। अमेरिका में भूकंप आने के बाद लोग डर से अपने घरों से बाहर निकल आए और कई घंटों तक सड़कों पर ही घूमते रहे। एक सर्वे ने इस भूकंप की पुष्टि की है। भारत में भी रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। राजस्थान के झुंझुनूं में सुबह करीब 9.30 मिनट पर लोगों ने हल्के भूकंप के झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.1 दर्ज की गई। झटके हल्के लगने के बावजूद लोगों ने उन्हें महसूस किया और अपने घरों से बाहर आ गए।

यहां भी किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। इस भूकंप का केंद्र जमीन के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई पर था। राजस्थान से पहले मेघालय में भी रविवार सुबह करीब 7.56 मिनट पर भूकंप के झटके लगे। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.6 थी। भूकंप का केंद्र गारो हिल्स के उत्तर में 10 किलोमीटर की गहराई में था।

यहां भी किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। बता दें बीती रात मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए थे। रात करीब 9.40 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 थी। इसका केंद्र जमीन की सतह से 5 किलोमीटर नीचे था। इस भूकंप से भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन लोगों ने अपने घरों के दरवाजे और पंखों को हिलते देखा था।

भारत की सफल कूटनीति का परिणाम है रूस से यारी, बग खूब फायदा उठा रहा इंडिया

नई दिल्ली।

पिछले महीने, यानी अप्रैल में तो भारत ने रूस से रिकॉर्ड 1.92 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात किया। यह पिछले नौ महीनों का उच्चतम स्तर है। रूस के कच्चे तेल की कीमत कम रहने और मॉस्को की ओर से निर्यात के लिए पर्याप्त तेल उपलब्ध कराने से भारत को यह फायदा मिला है। रूस के साथ अब अमेरिका से भी भारत खूब कच्चा तेल खरीद रहा है। अप्रैल में अमेरिकी से कच्चे तेल का आयात भी आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका और यूरोप के लाख मना करने के बावजूद भी भारत ने रूस से तेल आयात करना जारी रखा। यह सिलसिला अब तक चालू है। रिपोर्ट के अनुसार केपलर के वरिष्ठ विश्लेषक के मुताबिक रूसी क्रूड अब भी पश्चिम अफ्रीकी और खाड़ी देशों के तेल की तुलना में सस्ता है, जिससे भारतीय रिफाइनरियों को बेहतर मुनाफा मिल रहा है। रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद भारतीय कंपनियां वैध रास्तों से आपूर्ति सुनिश्चित कर रही हैं। रूस के घरेलू रिफाइनिंग पर जनवरी-मार्च तिमाही में ड्रोन हमलों के कारण आयात में अस्थायी बढ़ोतरी देखी गई। भारत अपनी 85 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल की जरूरतें आयात से पूरी करता है। खास बात यह है कि रूसी तेल पश्चिमी देशों द्वारा लगाई गई मूल्स सीमा 60 प्रति बैरल डॉलर के भीतर ही कारोबार कर रहा है। इससे टैंकर और बीमा की उपलब्धता में कोई बाधा नहीं है और भारत को बिना रोक-टोक सस्ता तेल मिल रहा है। कमोडिटी विश्लेषक फर्म कैपलर के अनुसार, अप्रैल में रूस से कच्चे तेल का आयात मार्च की तुलना में 2.1 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, पिछले महीने भारत के कुल तेल आयात में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4.88 मिलियन बीपीडी रहा। रूस की भारत के कच्चे तेल के भंडार में हिस्सेदारी मार्च के 35.7 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल में 39.3 प्रतिशत हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बफे ने खोला डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मोर्चा

- व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

ओहामा । अमेरिका और विश्व के बड़े कारोबारी वारेन बफे ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा है ।व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। बफे वर्कशायर हेथवे में अपनी कंपनी के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ट्रम्प सरकार द्वारा लगाए गए टेरिफ़ की आलोचना की। टैरिफ के कारण सारी दुनिया में अफरा तफरी का माहौल बन गया है ।उन्होंने कहा अमेरिका की यह सबसे बड़ी गलती है। दुनिया में 750 करोड लोग रहते हैं। अमेरिका की आबादी मात्र 33 करोड़ है। बफे ने ट्रंप पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा, 250 साल पहले अमेरिका का निर्माण जीरो से शुरू हुआ था। आज हम दुनिया के शीर्ष देशों में हैं। 250 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने यह भी याद दिलाया, याद रखें अमेरिका की 333 मिलियन आबादी है ।जो दुनिया की आबादी के मुकाबले बहुत कम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे पास मध्य और उच्च वर्ग के अधिक लोग हैं। दुनिया के देशों में निम्न वर्ग के लोग कहीं ज्यादा हैं।

विविधता से होता है विकास

वारेन बफे ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आब्रजन नीति की आलोचना करते हुए कहा, विविधता के कारण ही सामाजिक विकास संभव है। उन्होंने कहा कि मैं कनाडा में पैदा हुआ। हमारी कंपनी के उपाध्यक्ष भारत में पैदा हुए हैं। हमारी कंपनी में विविधता पूर्ण समूह काम करता है। बफे ने अपने भाषण में दो बार बर्कशायर के नेतृत्व की विविधता का उल्लेख करते हुए, कंपनी की सफलता से जोड़कर बताया।

जापान-चीन के बीच एयरस्पेस विवाद गहराया, पूर्वी चीन सागर में सेनकाकु द्वीपों को लेकर तनाव

बीजिंग। पूर्वी चीन सागर में स्थित सेनकाकु द्वीपों को लेकर जापान और चीन के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) के उल्लंघन का आरोप लगाया है। यह इलाका लंबे समय से दोनों देशों के बीच विवाद का विषय बना हुआ है। जापान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीन के चार कोस्ट गार्ड जहाज जापानी जल क्षेत्र के पास देखे गए। इनमें से एक जहाज पर मौजूद हेलिकॉप्टर ने जापानी हवाई क्षेत्र में करीब 15 मिनट तक उड़ान भरी। जापान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए चीन से कड़ा विरोध दर्ज कराया है। वहीं, चीन ने भी पलटवार करते हुए जापान पर आरोप लगाया है कि उसके विमान चीनी समुद्री क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। चीनी विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि सेनकाकु द्वीप (जिसे चीन दियाओयू द्वीप कहता है) पर उनका संप्रभु अधिकार है और चीनी जहाज व विमान वहां अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। सेनकाकु द्वीप समूह रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है और इसके आसपास ऊर्जा संसाधनों की मौजूदगी का भी दावा किया जाता है। यह विवाद पिछले कई वर्षों से जापान-चीन संबंधों में तनाव का प्रमुख कारण बना हुआ है। वर्तमान घटना के बाद दोनों देशों की सेनाओं की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। जापान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस मसले पर समर्थन की भी उम्मीद जताई है।

पाकिस्तान में पुलिस वैन पर हमला, 5 जवान अगवा, 10 कैदी हुए फरार

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक पुलिस वैन पर हमला कर पांच पुलिसकर्मियों को अगवा कर लिया। हमलावरों ने वैन में सवार 10 कैदियों को भी रिहा कर साथ ले गए, जिनमें दो गंभीर अपराधों में सजा पाए दोषी शामिल थे। यह घटना क्वेटा-कराची राजमार्ग पर हुई, जब पुलिस वैन गदानी जेल से क्वेटा के लिए कैदियों को लेकर जा रही थी। हमलावरों ने वैन को बीच रास्ते में रोककर इस दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया और पहाड़ी इलाकों की ओर भाग निकले। रिहा किए गए कैदियों में से एक को मौत की सजा और दूसरे को उम्रकैद की सजा मिली थी। दोनों पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोप था। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने मोंगूचर और आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। बलूचिस्तान लंबे समय से उग्रवाद और आतंकी गतिविधियों से जूझ रहा है, जहां सुरक्षा बलों पर अक्सर हमले होते रहते हैं।

बांग्लादेश में महिला सुधार आयोग के विरोध में हिफाजत-ए-इस्लाम की रैली

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में कट्टरपंथी इस्लामी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम के नेतृत्व में हजारों लोगों ने शनिवार को महिला सुधार आयोग के विरोध में विशाल रैली निकाली। रैली में शामिल करीब 20 हजार प्रदर्शनकारियों ने आयोग को इस्लामी आस्था के विरुद्ध बताया और इसे तुरंत भंग करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर थे, जिन पर लिखा था- हमारी महिलाओं पर पश्चिमी कानून न थोपो, और बांग्लादेश जागो। संगठन के वरिष्ठ नेता मामुनुल हक ने रैली में आयोग के सदस्यों के खिलाफ सजा की मांग करते हुए कहा कि इन सुधारों से देश की बहुसंख्यक आबादी की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। महिला मदरसे के शिक्षक मोहम्मद शिहाब उद्दीन ने कहा कि पुरुष और महिला समान नहीं हो सकते। कुरान में उनके जीवन के लिए अलग-अलग दिशा-निर्देश दिए गए हैं, जिनका पालन सभी को करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि यूनुस सरकार ने हाल ही में बढ़ते महिला अपराधों के मद्देनजर महिला सुधार आयोग का गठन किया है।

हूती के हमले से इजराइल में हड़कंप, एअर इंडिया फ्लाइट अबूधाबी डायवर्ट, 6 मई तक उड़ानें रद्द

तेल अवीव, (एजेंसी)। इजराइल के बेन गुरियन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार सुबह यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इस घटना के चलते दिल्ली से तेल अवीव जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एद्ध139 को अबूधाबी डायवर्ट करना पड़ा। विमान में करीब 300 यात्री सवार थे। एअर इंडिया ने पुष्टि की है कि फ्लाइट ने सुरक्षित लैंडिंग की है और यात्रियों को जल्द दिल्ली लौटाया जाएगा।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट से प्राप्त हुई जानकारी अनुसार, हमला उस समय हुआ जब विमान जॉर्डन के हवाई क्षेत्र में था और तेल अवीव में लैंडिंग में महज एक घंटा बाकी था। सुरक्षा के लिहाज से फ्लाइट को अबूधाबी मोड़ दिया गया।

एअर इंडिया ने उड़ानें कीं रद्द

एअर इंडिया ने 6 मई 2025 तक की सभी तेल अवीव उड़ानें स्थगित कर दी हैं। एयरलाइन ने इस दौरान टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को एक बार टिकट बदलने या पूरा पैसा वापस पाने का विकल्प दिया है।

हमले में 8 घायल, एक की हालत गंभीर

हूती हमले में मिसाइल एयरपोर्ट परिसर की एक सड़क और वाहन से टकराई, जिससे 8 लोग घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर है। इजराइली सेना ने स्वीकार किया है कि डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल को रोकने में असफल रहा।

हूती का दावा

हूती प्रवक्ता याह्या सारी ने दावा किया कि हमले में 'फिलिस्तीन-2 हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल' का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यह हमला गाजा में इजराइली सैन्य अभियानों और नाकाबंदी के विरोध में किया गया है। इजराइली सेना ने हाइपरसोनिक मिसाइल के दावे को खारिज कर जांच शुरू कर दी है।

नेतन्याहू ने बुलाई इमरजेंसी बैठक

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आपातकालीन बैठक बुलाई है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने कहा, जो भी हमें नुकसान पहुंचाएगा, हम उसे सात गुना जवाब देंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि हूती विद्रोहियों का अंजाम भी हमास और हिजबुल्लाह जैसा होगा।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति ने आधी रात को संसद के आपात सत्र की कर दी घोषणा : जंग की आशंका के बीच बढ़ा तनाव

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। इसी क्रम में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने शनिवार देर रात बड़ा कदम उठाते हुए संसद का आपातकालीन सत्र बुलाने की घोषणा की है। यह सत्र सोमवार, 5 मई 2025 को शाम 5 बजे इस्लामाबाद स्थित संसद भवन में होगा। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि यह निर्णय पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 54 की धारा (1) के तहत लिया गया है। इस विशेष सत्र में भारत के साथ बिगड़ते राजनयिक संबंधों पर विशेष चर्चा की जाएगी, जिसमें भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने का मुद्दा प्रमुख रहेगा। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान सरकार ने इस सत्र में भारत के खिलाफ एक कड़े निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी की है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जबकि भारत ने पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान पर आतंकवाद को समर्थन देने का सीधा आरोप लगाया है। इस आतंकी हमले में 25 पर्यटकों समेत 26 लोग मारे गए थे। हमले के पीछे पाकिस्तान से आए दो आतंकियों का हाथ बताया जा रहा है। भारत सरकार ने इस हमले को सीधा युद्ध जैसा कृत्य करार दिया है और इसके गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी है। भारत की प्रतिक्रिया के बाद से पाकिस्तान में राजनीतिक और सैन्य हलकों में खलबली मची हुई है।

ट्रंप की पोप वाली तस्वीर से कैथलिक समुदाय हुआ नाराज

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एआई की मदद से तैयार की गई अपनी तस्वीर साझा कर विवाद खड़ा कर दिया है, जिसमें वह पोप की पोशाक पहने नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर ऐसे समय सामने आई है जब हाल ही में पोप फ्रांसिस के निधन के बाद वेटिकन में शोक चल रहा है और उनके उत्तराधिकारी के चयन के लिए सम्मेलन होने वाला है। ट्रंप की इस तस्वीर की कैथलिक बिशप का प्रतिनिधित्व करने वाले अमेरिका के एक समूह और इटली के नेताओं समेत कई लोगों ने आलोचना की है।

यह तस्वीर शुक्रवार रात ट्रंप के सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल पर शेयर की गई और बाद में व्हाइट हाउस ने भी एक्स पर इसे साझा किया। वेटिकन और सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस तस्वीर पर आपत्ति जताई है। बता दें पोप फ्रांसिस का 21 अप्रैल को निधन हो गया था इसके बाद से वेटिकन नौ दिन का शोक है।

पोप का निधन और उनके उत्तराधिकारी का चयन कैथलिक समुदाय के लिए अत्यंत अहम है। वे पोप को धरती पर ईसा मसीह का प्रतिनिधि मानते हैं। विशेष रूप से इटली में यह पद सम्मानीय माना जाता है। एआई द्वारा तैयार की गई इस तस्वीर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पोप की वेशभूषा में कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। कई संस्थानों ने ट्रंप की इस तस्वीर की निंदा की है। इटली के पूर्व पीएम और वामपंथी नेता मट्टेयो रेंजी ने कहा कि यह तस्वीर शर्मनाक है। यह तस्वीर पोप में आस्था रखने वालों को अपमानित करती है और दिखाती है कि दक्षिणपंथी दुनिया के नेता को किसी का मजाना उड़ाना अच्छा लगता है।

वेटिकन के प्रवक्ता ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। अमेरिका में बिशपों का प्रतिनिधित्व करने वाले 'न्यूयॉर्क स्टेट कैथोलिक कॉन्क्लेव ने ट्रंप पर पोप का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया है।

पहलगाम पर पाकिस्तान बोला- निष्पक्ष जांच हो, यूएनएससी में भी मामला उठाने की हो रही बात

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। हमले में दो दर्जन से ज्यादा लोगों की जान जाने के बाद भारत के कड़े रुख के संकेत मिले, जिससे पाकिस्तान में भी राजनीतिक और सैन्य हलचल मची हुई है। भारत की संभावित जवाबी कार्रवाई के बीच पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मामले को ले जाने और सहानुभूति जुटाने की कोशिश कर रहा है।

इसी कड़ी में पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा था, कि वह सुरक्षा परिषद में इस मामले को उठाने का अधिकार रखता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर नजर रखे हुए है और यदि जरूरी हुआ तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने का अधिकार उसके पास सुरक्षित है। यह बात असीम ने एक संवाददाता सम्मेलन में कही थी और बताया था कि यह स्पष्ट है कि पहलगाम में एक गंभीर घटना घटी है, लेकिन अब जो स्थिति बनी है, वह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरा बन सकती है। परिषद के किसी भी सदस्य के लिए इस विषय पर चर्चा की मांग करना पूरी तरह से उचित होगा।

इसके साथ ही पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले की किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी लेने से साफ इनकार कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ भारत में सुरक्षा एजेंसियों को इस हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों के संलिप्त होने के स्पष्ट संकेत मिले हैं। ऐसे में पाकिस्तान द्वारा तीसरे पक्ष से 'निष्पक्ष जांच' की मांग को भारत छलावा मान सकता है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान जुलाई 2025 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा। ऐसे में वह इस मंच का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने और भारत पर दबाव बनाने के लिए करना चाहता है। इस बीच, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस पुराने बयान को लेकर भी सवाल उठे हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान तीन दशक तक अमेरिका और पश्चिम के लिए गंदा काम करता रहा है। जब इस बारे में सवाल किया गया तो पाकिस्तानी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार ने टिप्पणी करने से परहेज किया। मतलब साफ है कि पाकिस्तान चाहता है कि पहलगाम जैसे मामले अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उठाए जाएं ताकि वह भारत पर दबाव बनाने में सफल हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की यह रणनीति उसकी रक्षात्मक मुद्रा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी छवि सुधारने की कोशिश को दर्शाती है।

पाकिस्तानी सांसद बोले- पीएम मोदी मेरी खाला के बेटे नहीं, जो मेरा कहना मान जाएंगे

इस्लामाबाद। भारत की ताकत और युद्ध की तैयारियों को देखकर पाकिस्तान डरा हुआ है और वहां के नेता भागने की फिराक में हैं। पाकिस्तानी सांसद शेर अफजल खान मारवत ने साफ कह दिया कि हम तो इंग्लैंड चले जाएंगे। जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तानी सरकार पीएम नरेंद्र मोदी से बात करके रास्ता निकाल ले। इस पर उन्होंने कहा कि पीएम मोदी मेरी खाला के बेटे नहीं हैं जो हमारे कहने पर शांत हो जाएंगे। बता दें कि भारत ने हाल ही में पाकिस्तान से होने वाले सभी आयात पर प्रतिबंध, पाकिस्तान के स्वामित्व वाले जहाजों के भारतीय बंदरगाहों पर डॉकिंग पर रोक और देश में पाकिस्तानी डाक और पार्सलों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की आशंकाएं गहराती जा रही हैं। इस बीच पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के सदस्य शेर अफजल खान मारवत के एक बयान ने सोशल मीडिया पर तूफान खड़ा कर दिया है। एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि यदि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ जाए तो वे क्या करेंगे। मारवत ने बड़ी सहजता से जवाब दिया, अगर युद्ध बढ़ा तो मैं इंग्लैंड चला जाऊंगा ।यह बयान कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों ने पाकिस्तान की राजनीति पर तंज कसते हुए कहा कि जब नेताओं को अपनी सेना पर भरोसा नहीं है, तो आम जनता क्या उम्मीद करे? एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तनाव कम करने के लिए संयम बरतना चाहिए तो मारवत ने व्यंग्यपूर्ण अंदाज़ में कहा, मोदी क्या मेरा खाला का बेटा है जो मेरे कहने से पीछे हट जाएगा ?शेर अफजल खान मारवत पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ से जुड़े रहे हैं, लेकिन हाल के समय में उन्होंने पार्टी और नेतृत्व की आलोचना की। इससे नाराज होकर इमरान खान ने उन्हें पार्टी के कई अहम पदों से हटा दिया था। बता दें कि शनिवार रात पाकिस्तान की सेना ने जम्मू-कश्मीर के कई क्षेत्रों जिनमें कुपवाड़ा, बारामुला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर शामिल हैं, में छोटे हथियारों से फायरिंग कर संघर्षविराम का उल्लंघन किया। यह लगातार दसवीं रात है जब सीमा पर पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की गई।

रूस की विक्ट्री डे परेड पर बोले जेलेंस्की, यहां सुरक्षा की गारंटी नहीं

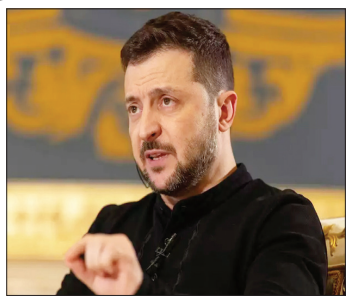

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने रूस द्वारा दिए गए तीन दिवसीय सीजफायर के प्रस्ताव को मजाक बताते हुए अस्वीकार कर दिया था। अब उन्होंने रूस की विक्ट्री डे परेड में आने वाले विदेशी मेहमानों को चेतावनी देते हुए कहा है कि मैं किसी की सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकता। परेड में आने वाले मेहमानों को जान का खतरा हो सकता है।स्थानीय खबरों के मुताबिक इस मामले में जेलेंस्की ने कहा, रूस से क्षेत्र में आने वाले दिनों में जो कुछ भी होता है उसके जिम्मेदार हम नहीं है। वह आपको सुरक्षा देते हैं इसलिए हम इस मामले में किसी को कोई गारंटी नहीं दे सकते। कीव 3 नहीं। 30 दिन के सीजफायर के पक्ष में रहा है। पुतिन द्वारा नाजी जर्मनी के ऊपर जीत के उपलक्ष्य में तीन दिन का युद्ध विराम का प्रस्ताव देना एक मजाक। या एक धोखा देने की चाल के अलावा कुछ नहीं था।

ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि सर्बिया के राष्ट्रपति वुसिक और स्लोवाकिया के पीएम फिको, यूरोपियन यूनियन के आदेश की अवहेलना करके रूस जाने वाले थे वे दोनों बीमार हो गए हैं। जेलेंस्की के बयान पर पलटवार करते हुए रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि कोई भी जेलेंस्की की गारंटी के पक्ष में न हीं है।। लेकिन अगर उनके उकसावे के चलते यूक्रेन की तरफ से कोई कार्रवाई की गई तो फिर कीव में 10 मई की सुबह की गारंटी कोई नहीं दे सकता।

बता दें दूसरे विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर अपने जीत के 80 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में रूस में विक्ट्री डे परेड का आयोजन होना है। इसका मुख्य कार्यक्रम मॉस्को रेड स्क्वायर पर होगा। भारत की तरफ से इसमें पीएम मोदी को शामिल होने का न्यौता मिला था लेकिन उनकी जगह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जाने की बात सामने आई थी लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि रक्षा मंत्री भी इसमें शामिल नहीं होंगे, उनकी जगह किसी जूनियर मंत्री को भेजा जाएगा। भारत के अलावा इस आयोजन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, बेलारूस, सर्बिया और वेनेजुएला के राष्ट्रपति और इसके अलावा स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको सहित 20 से अधिक देशों के नेता के शामिल होने की संभावना है। बकौल जैलेंस्की, बिना शर्त युद्ध विराम का प्रस्ताव अमेरिका द्वारा प्रस्तावित योजना का हिस्सा है और हम इसका ही पालन कर हैं। हम चाहते हैं कि युद्ध विराम हो लेकिन तीन नहीं बल्कि 30 दिन के लिए। आइए हम 30 दिन के युद्ध विराम का प्रयास करते हैं। जेलेंस्की से जब पूछा गया कि आखिर तीन दिनों ही क्यों।। इस पर जेलेंस्की ने जवाब दिया कि 30 दिन इसलिए क्योंकि तीन, पांच या सात दिनों में से किसी भी सीजफायर पर सहमति देने संभव नहीं है।

आजादी से आज तक कोई दूसरी पार्टी सिंगापुर में नहीं बना पाई सरकार

सिंगापुर (एजेंसी)। सिंगापुर में एक बार फिर पीपुल्स एक्शन पार्टी यानी पीएपी को एक बार फिर चुनाव में प्रचंड जीत मिली है।1965 में आजादी से आज तक यहां कोई दूसरी पार्टी पाई सरकार नहीं बना पाई। प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की पीपुल्स एक्शन पार्टी ने शनिवार को सिंगापुर के आम चुनाव में 97 संसदीय सीटों में से 87 सीटें हासिल कर भारी जीत दर्ज की। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। अमेरिकी व्यापार शुल्कों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच वोंग और पीएपी को आम चुनाव से नया जनादेश मिला है। इसके अलावा गौर करने वाली बात यह है कि 1965 में सिंगापुर को आजादी मिलने के बाद आज तक कोई दूसरी पार्टी सत्ता पर काबिज ही नहीं हो पाई। पीएपी सिंगापुर की सबसे पुरानी पार्टी है।

सिंगापुर में 1948 में हुए पहले आम चुनाव के बाद से यह 19वां आम चुनाव था। द्विपीय देश को 1965 में आजादी मिली थी और तब से यह 14वां आम चुनाव था। वोंग (52) ने पिछले साल मई में नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने यह पद ली सीन लूंग द्वारा लगभग दो दशक के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद ग्रहण किया। खबर के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार रात आठ बजे सिंगापुर में मतदान आधिकारिक रूप से बंद हो गया। इसी के साथ देश के 14वें आम चुनाव में 12 घंटे तक चला मतदान संपन्न हो गया। चुनाव को प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की पहली अहम परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने पिछले वर्ष पदभार ग्रहण किया था। वह पीएपी का नेतृत्व कर रहे हैं, जो स्वतंत्रता के बाद से सिंगापुर पर शासन कर रही है। यहां के निर्वाचन विभाग (ईएलडी) ने बताया कि सिंगापुर के मतदाताओं ने देश की भावी राजनीतिक तस्वीर तय करने के लिए 1,240 मतदान केंद्रों पर 97 संसदीय सीटों में से 92 के लिए मतदान किया। देश में 27,58,846 पंजीकृत मतदाता हैं। मार्सिलिंग-यू टी ग्रुप रिप्रेजेंटेशन कांस्टीट्यूएंसी (जीआरसी) के नतीजे घोषित होने के बाद वोंग ने कहा कि यह उनका पहला और ÷विनम्र अनुभव÷था। उन्होंने मतदाताओं के लिए कड़ी मेहनत करने का संकल्प लिया। वोंग (52) ने कहा, हम आपके मजबूत जनादेश के लिए आभारी हैं तथा...आप सभी के लिए और भी अधिक मेहनत करके आपके द्वारा हमें दिए गए विश्वास का सम्मान करेंगे।

ट्रंप के टैरिफ की मार, चीन में हाहाकार, कारखाने बंद मजदूरों को वेतन के लाले पड़े

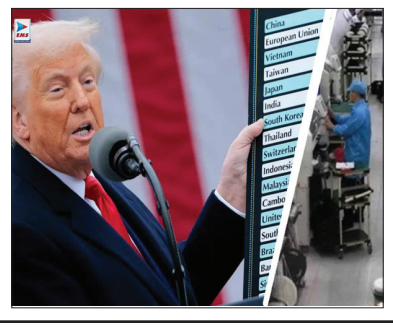

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से चीन में हाहाकार मचना शुरु हो गया है। यहां कई कारखाने बंद हो गए हैं और मजदूरों को वेतन के लाले पड़े हुए हैं। रेडियो फ्री एशिया (आरएफए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने चीन से आने वाले सामान पर भारी टैक्स लगाया है। इससे चीन की अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है। लाखों लोग इससे प्रभावित हैं और उनमें असंतोष बढ़ रहा है। चीन की फैक्ट्रियों में बहुत हंगामा हो रहा है। लोग परेशान हैं और विरोध कर रहे हैं। हुनान प्रांत के दाओ काउंटी से लेकर सिचुआन के सुईनिंग शहर और इनर मंगोलिया के टोंगलियाओ शहर तक, कई परेशान मजदूर सड़कों पर उतर आए हैं। वे अपनी बकाया सैलरी की मांग कर रहे हैं। साथ ही वे उन फैक्ट्रियों में हो रही गलत छंटनी का विरोध कर रहे हैं जो अमेरिकी टैक्स की वजह से बंद हो गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, मजदूरों का कहना है कि सिचुआन की एक कंपनी ने उन्हें इस साल की शुरुआत से वेतन नहीं दिया है। यह कंपनी फ्लेक्सिबल सर्किट बोर्ड बनाती है। कंपनी ने जून 2023 से लगभग दो साल तक सामाजिक सुरक्षा लाभ भी नहीं दिए हैं। अमेरिकन इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स के विशेषज्ञों का अनुमान है कि चीन में कम से कम 1।6 करोड़ नौकरियां खतरे में हैं। ऐसा ट्रंप द्वारा चीनी सामान पर 145 प्रतिशत टैक्स लगाने की वजह से हुआ है। उनका कहना है कि ज्यादा टैरिफ का चीनी अर्थव्यवस्था पर काफी असर पड़ेगा। आर्थिक विकास धीमा होने से श्रम बाजार पर और दबाव पड़ेगा। खासकर निर्यात करने वाले उद्योगों में ज्यादा परेशानी होगी।इस हफ्ते की शुरुआत में, शानक्सी प्रांत के शीआन प्रान्त के तुआनजी गांव में एक दर्जन से ज्यादा प्रवासी मजदूरों ने एक स्थानीय प्रोजेक्ट ऑफिस में अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उन्हें फरवरी 2025 से वेतन नहीं मिला है। 24 अप्रैल को, दाओ काउंटी में गुआंग्जिन स्पोर्ट्स गुड्स के सैकड़ों कर्मचारियों ने हड़ताल की। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कंपनी की फैक्ट्री बिना किसी मुआवजे या सामाजिक सुरक्षा लाभ दिए बंद हो गई। आरएफए की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। फैक्ट्री के मजदूरों का आरोप है कि गुआंग्जिन स्पोर्ट्स ने सितंबर 2024 में 50 साल से ज्यादा उम्र की 100 से ज्यादा महिला कर्मचारियों को गलत तरीके से निकाल दिया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिंडोली में सब्जीमंडी में हत्या के विरोध में पूरा मार्केट बंद कर आरोपियों के खिलाफ़ कार्यवाही की माँग

“बाहर घूमने आने से मना करने पर दोस्तों ने किया खूनी खेल,4 लोगों के जानलेवा हमले में पिता की मौत, बेटा ICU में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नवागाम डिंडोली क्षेत्र में माधव डेयरी के पास और त्रिपाठी अस्पताल के सामने यह घटना घटी। 40 वर्षीय राम बच्चन मोर्या और उनका 20 वर्षीय बेटा अभिषेक मोर्या पर चार असामाजिक तत्वों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में पिता राम मोर्या की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटा अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। बाहर घूमने जाने से मना करने पर रंजिश रखते हुए हमला किया गया मिली जानकारी के अनुसार, मृतक के बेटे अभिषेक का आरोपियों के साथ पहले से मनमुटाव चल रहा था। आरोपी आदित्य नाम के युवक के दोस्त अभिषेक को घूमने के लिए बुला रहे थे, लेकिन परिवारजनों ने उसे जाने से मना कर दिया था। इसी बात को लेकर दो दिन पहले दोनों पक्षों

में झगड़ा हुआ था और मामला डिंडोली पुलिस स्टेशन तक पहुंचा था। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया था, लेकिन पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने पिता-पुत्र पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

देर रात नवागाम डिंडोली क्षेत्र में माधव डेयरी के पास और त्रिपाठी अस्पताल के सामने एक पिता और बेटे पर करीब चार असामाजिक तत्वों ने चाकुओं से हमला कर दिया। ताबड़तोड़ कई वार किए जाने से पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटा इस वक्त ICU में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है। फिलहाल पत्नी, बेटी समेत पूरा परिवार और समाज के लोग मृतदेह को स्वीकार करने से इनकार करते हुए धरने पर बैठ गए हैं। उनकी मांग है कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए, असामाजिक तत्वों की संपत्तियों पर बुलडोज़र चलाया जाए और इलाके में चल रहे सभी शराब के अड्डों को तुरंत बंद किया जाए।

मृतक राम मोर्या सब्जी व्यवसाय से जुड़े हुए थे और साधारण रूप से अपने परिवार के साथ जीवन व्यतीत कर रहे थे। इस हमले के बाद नवागाम क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल फैल गया है। फिलहाल डिंडोली पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कर रही है और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तेजी से कार्रवाई कर रही है।

मृतदेह को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया था, जहां पत्नी, बेटी सहित परिजनों और समाज के लोगों ने शव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। साथ ही परिजनों ने इलाके में चल रहे शराब के अड्डों को तत्काल बंद कराने की मांग की। उनका आरोप है कि इलाके में खुलेआम शराब के अड्डे चल रहे हैं, फिर भी पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। असामाजिक तत्वों के आतंक के चलते पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बन गया है।

आरोपियों की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया जाए परिजनों और समाजजनों द्वारा तीन प्रमुख मांगें की गई हैं। (१) इलाके में मौजूद सभी असामाजिक तत्वों और चल रहे शराब के अड्डों को तुरंत बंद किया जाए। (२)आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें फांसी की सजा दी जाए। (३) आरोपियों की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया जाए। फिलहाल पुलिस ने बताया है कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया है।

बीआरटीएस मार्ग पर निजी वाहनों के अतिक्रमण को हटाने में प्रशासन असहाय साबित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका के बीआरटीएस मार्ग पर निजी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित होने के बावजूद, वाहन चालक शॉर्टकट अपनाते हुए बीआरटीएस मार्ग पर निजी वाहन दौड़ा रहे हैं। नगर निगम और पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने के कारण बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

सूरत महानगरपालिका ने बीआरटीएस मार्ग पर निजी वाहनों की समस्या को रोकने के लिए चार करोड़ से अधिक की लागत से स्विंग गेट प्रोजेक्ट शुरू किया था, लेकिन वह विफल हो गया। अब कैमरे का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, फिर भी वाहन चालकों पर इसका कोई असर नहीं हो रहा है। सूरत के उदद्धठ्ठु दरवाजा-पांडेसरा से लेकर डभोली और जहांगीरपुरा रूट पर भी लगातार निजी वाहनों का अतिक्रमण देखा जा रहा है।

चलते लोग दिन-प्रतिदिन इस रूट पर खतरनाक तरीके से वाहन चला रहे हैं।

जब वाहन चालक जहांगीरपुरा-डभोली ब्रिज से नीचे उतरते हैं, तो जहांगीरपुरा क्षेत्र की ओर जाने के लिए मोराबागल के पास स्थित सर्कल से न घूमकर सीधे बीआरटीएस रूट से टर्न लेते हैं। इसके कारण यहां बड़ी संख्या में निजी वाहन देखे जा सकते हैं। कई बार ऐसा होता है कि दो बसों के बीच वाहन फंस जाते हैं, और ऐसे में किसी बड़ी दुर्घटना की

फिलहाल एक बार फिर जहांगीरपुरा बीआरटीएस मार्ग पर निजी वाहन दिखाई दे रहे हैं। यह समस्या स्थायी बन गई है और कभी भी किसी की जान जा सकती है, इसकी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सूरत के जहांगीरपुरा कम्युनिटी हॉल बस स्टैंड और डभोली गांव रूट पर निजी वाहन लगातार तेज रफ्तार से दौड़ते हैं। यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, फिर भी नगर निगम या पुलिस कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर रही, जिसके आशंका काफी बढ़ जाती है। इतनी गंभीर स्थिति होने के बावजूद, न तो नगर निगम और न ही पुलिस कोई ठोस कार्रवाई कर रही है, जिससे कभी भी कोई जान जा सकती है — इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सुबह 10:30 बजे कक्षा 12 और गुजराती कैट (गुजकेट) का परिणाम घोषित होगा।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10 और 12 की परीक्षा इस वर्ष जल्दी समाप्त हो गई है। कल सुबह 10:30 बजे कक्षा 12 और गुजराती कैट (गुजकेट) का परिणाम भी घोषित किया जाएगा। इस बारे में शिक्षा मंत्री कुबेरसिंह डिंडोरे ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर जानकारी दी है। इस वर्ष सामान्य प्रवाह में कुल 4,23,909 और विज्ञान में 1,1-1,384 छात्र पंजीकृत थे।

गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, गांधीनगर ने प्रेस नोट जारी करते हुए बताया है कि फरवरी-मार्च 2025 में आयोजित उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र परीक्षा, कक्षा 12 विज्ञान प्रवाह, सामान्य प्रवाह, व्यावसायिक प्रवाह, उ.उ.बु. प्रवाह, GUJCET-2025 और संस्कृत मध्यमान का परिणाम गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट [www.gseb.org] (http://www.gseb.org) पर 05/05/2025 को सुबह 10:30 बजे घोषित किया जाएगा।

विद्यार्थी अपना परिणाम परीक्षा का सीट नंबर एंटर करके प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थी व्हाट्सएप नंबर - 63573-00971 पर सीट नंबर भेजकर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थियों की मार्कशीट, प्रमाणपत्र और स्क्र स्कूल वार भेजने की सूचना बाद में दी जाएगी। परीक्षा के बाद गुणचेकिंग, दफ्तर चेकिंग, नाम सुधार, गुण-टूट अस्वीकृति और परीक्षा में पुनः उपस्थित होने के लिए आवश्यक निर्देशों सहित परिपत्र बाद में प्रकाशित किया जाएगा और मार्कशीट तथा प्रमाणपत्र के साथ स्कूलों को भेजा जाएगा।

नवसारी की हीरे की पेडी में विश्वासी मैनेजर ने विश्वास तोड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के शांतादेवी क्षेत्र में स्थित खोदल इम्पेक्स नामक हीरे की पेडी में बड़ी चोरी हुई है। कारीगरों के वेतन के 19.48 लाख नकद और 3.14 लाख के हीरे लेकर महाराष्ट्र फरार। पेडी के मैनेजर गुरुदास रामु सावंत ने कुल 22.71 लाख की चोरी की है। उनके खिलाफ नवसारी टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है। नवसारी टाउन पुलिस ने गुरुदास सावंत के खिलाफ चोरी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

14 साल की किशोरी को मां बनाने वाले 19 साल के आरोपी को 20 साल की सख्त सजा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के जीआईडीसी क्षेत्र में रहने वाली 14 वर्षीय युवती को शादी का झांसा देकर भगाकर एक से अधिक बार दुष्कर्म करने और उसे अविवाहित मां बनाने वाले 19 वर्षीय उत्तर प्रदेश निवासी आरोपी को पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शकुंतलाबेन एन. सोलंकी ने सभी आरोपों में दोषी ठहराया। कोर्ट ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट की धारा 5(एल)(क्यू) और धारा 6 के तहत तथा बीएनएस की धारा 64(2(एम)) के तहत 20 साल की कठोर सजा सुनाई। इसके अलावा, आरोपी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। यदि वह जुर्माना नहीं भरता, तो उसे एक साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। साथ ही, पीड़िता को 45 हजार रुपये और 3.5 लाख रुपये का मुआवजा आरोपी से वसूलने का आदेश दिया गया है।

सचिनजीआईडीसी पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में रहने वाले शिकायतकर्ता पिता ने 10 जुलाई 2024 को अपनी 14 वर्षीय बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी, जब वह सोसायटी में गेहूं का आटा पिसवाने गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। जांच में, शिकायतकर्ता के घर से मिली चिट्ठी में लिखे गए नंबर को ट्रेस किया गया, जो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के कीरावना गांव के निवासी 19 वर्षीय आरोपी अंशु सिंह रामसेवक चौहान का था। आरोपी ने किशोरी को प्रेम जाल में फंसाकर शादी का झांसा देकर भगाकर ले गया था।

एक महीने से अधिक समय तक आरोपी ने उसे अपने साथ उत्तर प्रदेश में रखा और शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई और कुवारी मां बन गई।

उन्हें उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर आरोपी की गिरफ्तारी के बाद, केस की कार्यवाही में बचाव पक्ष ने मुख्य रूप से यह बचाव किया कि पीड़िता और आरोपी डाईंग मिल में साथ काम करते थे, और दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। बचाव पक्ष ने दावा किया कि पीड़िता अपनी मर्जी से आरोपी के साथ उत्तर प्रदेश गई थी और स्वीकृति से शारीरिक संबंध बनाए थे। शिकायत पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि पीड़िता नाबालिग थी, और पर्याप्त सबूत न होने के कारण आरोपी को निर्दोष करार दिया जाना चाहिए।

वहीं, सरकारी पक्ष ने एपीपी दीपेश दवे द्वारा 13 गवाहों और 36 दस्तावेजी सबूतों को पेश किया, और बताया कि जब पीड़िता की उम्र 14 वर्ष पाई गई, तो आरोपी ने उसे प्रेम जाल में फंसा लिया और नाबालिग अवस्था का फायदा उठाकर शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई। यह भी साबित हुआ कि आरोपी पीड़िता की गर्भवती होने वाली बच्ची का जैविक पिता था। चूंकि पीड़िता नाबालिग थी, इसलिए उसकी सहमति को कानून के तहत मान्यता नहीं दी जा सकती।

कोर्ट ने आरोपी अंशु सिंह चौहान को दोषी ठहराते हुए उपरोक्त धाराओं के तहत अधिकतम सजा और जुर्माना लगाने के साथ-साथ पीड़िता को मुआवजा देने का आदेश दिया है।

सजा में रहम की आरोपी की मांग को नकारते हुए कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने घटना के डेढ़ साल पहले से पीड़िता को प्रेम जाल में फंसाकर बार-बार दुष्कर्म किया और उसे गर्भवती बना दिया, जिससे एक बच्ची की मां बन गई। डीएनए रिपोर्ट में यह साबित हुआ कि आरोपी बच्ची का जैविक पिता है। इस समय में नाबालिग लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों की दर बढ़ रही है, ऐसे में इन अपराधों को हल्के में लेने के बजाय समाज में एक उदाहरण पेश करने के लिए अधिकतम सजा और जुर्माना देना न्यायपूर्ण है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आरोपी ने आगे की स्टेटमेंट के दौरान यह बताया कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था और शिकायत रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हालांकि, स्थगन आदेश नहीं मिलने पर कोर्ट ने मामले की कार्यवाही को अनिश्चित समय तक स्थगित करने से इंकार कर दिया।